राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 24 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–88 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू कश्मीर के पल्ली गांव से आज देशभर की पंचायतों को संबोधित करेंगे पीएम मोदी, सुरक्षा व्यवस्था हुई चाक चौबंद

पीएम मोदी आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर पल्ली से देश भर की पंचायतों के प्रधानों से वर्चुअल संवाद करेंगे। पीएम के दौरे से पहले प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को जम्मू कश्मीर के सांबा जिले के पल्ली गांव का दौरा करने वाले हैं। पीएम वहीं से देश भर की पंचायतों के प्रधानों से वर्चुअल संवाद करेंगे। पीएम पल्ली पंचायत घर भी जाएंगे और वहां के सरपंच एवं पंचों से बातचीत भी करेंगे। पंचायतों के प्रधानों से वर्चुअल संवाद के दौरान प्रधानमंत्री मोदी अच्छा प्रदर्शन करने वाले ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत करेंगे। वहीं पीएम के दौरे के चलते प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

पिछड़ा गांव पल्ली अब बनेगा पहला कार्बन न्यूट्रल पंचायत

बता दें कि 340 घरों वाला पल्ली पिछड़े गांवों में गिना जाता है लेकिन कल 500 केवी क्षमता के सौर ऊर्जा

इसके साथ ही यह एक माडल पंचायत भी बन जाएगा जो जम्मू-कश्मीर के साथ अन्य पंचायतों को कार्बन मुक्त बनने के लिए प्रोत्साहित करेगी। इस संयंत्र को रिकार्ड 20 दिन में तैयार किया गया है। वहीं इस मौके पर किसानों, सरपंचों और ग्राम प्रधानों के लिए कृषि की नवीनतम तकनीक और तरीकों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है ताकि नवाचारों को सीख कर वे अपनी आय और जीवन स्तर में वृद्धि कर सकें।

संयंत्र के चालू होते ही यह देश का पहला कार्बन न्यूट्रल पंचायत बन जाएगा जहां रोशनी सौर ऊर्जा से मिलेगी। इसके साथ ही यह एक माडल पंचायत भी बन जाएगा जो जम्मू-कश्मीर के साथ अन्य पंचायतों को कार्बन मुक्त बनने के लिए प्रोत्साहित करेगी। इस संयंत्र को रिकार्ड 20 दिन में तैयार किया गया है। वहीं इस मौके पर किसानों, सरपंचों और ग्राम प्रधानों के लिए कृषि की नवीनतम तकनीक और तरीकों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है ताकि नवाचारों को सीख कर वे अपनी आय और जीवन स्तर में वृद्धि कर सकें।

प्रदेश को भी मिलेंगी सौगात

कश्मीर के दौरे पर पीएम राज्य को भी कई सौगात देंगे। वह पांच एक्सप्रेस वे के शिलान्यास करने के साथ बनिहाल-काजीगुंड टनल भी प्रदेश के लोगों को सौपेंगे। इसके साथ ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से कश्मीर में निवेश की संभावनाएं तलाशने आया एक प्रतिनिधिमंडल से भी पीएम वार्ता करेंगे। बता दें कि यूएई का प्रतिनिधिमंडल 21 से 24 अप्रैल तक चार दिवसीय घाटी का दौरा कर निवेश की संभावनाओं को तलाशने आया है।

पंचायती राज दिवस मनाने का कारण

बता दें कि पंचायतों को संवैधानिक अधिकार प्रदान करने वाला विधेयक 24 अप्रैल 1992 से अस्तित्व में आया था, इसलिए हर साल इस तारीख को पंचायत दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने वर्ष 2010 को 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस घोषित किया था।

पहले करौली हिंसा, अब 300 साल पुराने मंदिर पर बुलडोजर; अशोक गहलोत की होने लगी औरंगजेब से तुलना

नई दिल्ली। राजस्थान में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले करौली हिंसा और 300 साल पुराने मंदिर पर बुलडोजर ने अशोक गहलोत सरकार की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। विपक्ष ने औरंगजेब तक से तुलना कर दी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 300 साल पुराने शिव मंदिर को तोड़े जाने की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का भी गठन किया है। आपको बता दें कि राजस्थान के अलवर जिले के सराय मोहल्ला में मंदिर को तोड़ा गया। सीकर सांसद स्वामी सुमेधानंद की अध्यक्षता में गठित भाजपा कमेटी तीन दिनों में राजगढ़ का दौरा कर तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार कर राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया को सौंपेगी। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबुक, भाजपा नेता संजय नरुका ने कहा, ÷समिति में चंद्रकांता मेघवाल, राजेंद्र सिंह शेखावत, ब्रज किशोर उपाध्याय और भवानी मीणा शामिल हैं।

ट्विटर पर घटना का एक वीडियो साझा करते हुए भाजपा नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, ÷करौली और जहांगीरपुरी पर आंसू बहाना और हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाना-यह कांग्रेस की धर्मनिरपेक्षता है। एक अन्य ट्वीट में अमित मालवीय ने आरोप लगाया, 18 अप्रैल को बिना कोई नोटिस जारी किए प्रशासन ने राजस्थान के राजगढ़ कस्बे में 85 हिंदुओं के पक्के घरों और दुकानों पर बुलडोजर चलाए। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर राजस्थान में मंदिर गिराए जाने पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के लिए दंगाइयों के खिलाफ बुलडोजर = सांप्रदायिक, हिंदू धर्म पर बुलडोजर = धर्मनिरपेक्ष। भाजपा सांसद किरोड़ी मीणा ने कहा कि गहलोत सरकार ने औरंगजेब की तरह ही एक पुराने मंदिर को बेरहमी से तोड़ा।

गाजियाबाद में स्कूल बस से छात्र की मौत मामले में परिवहन विभाग की लापरवाही सामने आई, 3 अफसर सस्पेंड

गाजियाबाद। गाजियाबाद में दयावती मोदी पब्लिक स्कूल के छात्र अनुराग की मौत के मामले में संभागीय परिवहन विभाग की लापरवाही सामने आई है। स्कूल बस अनफिट होने के चलते शासन ने दो एआरटीओ और एक संभागीय निरीक्षक को निलंबित कर दिया है। संभागीय निरीक्षक वर्तमान में कानपुर में तैनात हैं और गाजियाबाद से एक साल पहले उनका तबादला हुआ था। उनके कार्यकाल में ही बस का एक साल पहले आखिरी बार फिटनेस कराया गया था, इसमें लापरवाही मानी गई है।

सूरत सिटी कॉलोनी निवासी नितिन भारद्वाज के पुत्र अनुराग की बुधवार को बस से स्कूल जाने के दौरान कॉलोनी के गेट से सिर टकराकर मौत हो गई थी, जिस बस में अनुराग स्कूल जा रहा था वह बिना फिटनेस की थी। स्कूल प्रबंधक ने संभागीय परिवहन विभाग से फिटनेस प्रमाण पत्र नहीं लिया था। एक साल पहले बस की फिटनेस खत्म हो गई थी।

शासन ने स्कूल बस का फिटनेस नहीं होने के मामले को गंभीरता से लिया है। इस मामले में एआरटीओ (प्रशासन) विश्वजीत सिंह, एआरटीओ (प्रवर्तन) सतीश कुमार और संभागीय निरीक्षक प्रेम कुमार की लापरवाही मानी गई है। शासन ने तीनों अधिकारियों को निलंबित कर दिया। संभागीय परिवहन अधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि दोनों एआरटीओ के निलंबन के आदेश शुक्रवार को मिले, जबकि संभागीय निरीक्षक प्रेम कुमार को देर रात निलंबित कर दिया था। प्रेम कुमार की वर्तमान में कानपुर में तैनाती है, लेकिन उनके कार्यकाल में ही बस का एक साल पहले आखिरी बार फिटनेस कराया गया था। उसमें लापरवाही मानी गई है। अभिभावकों के पास होगी स्कूल बसों की जानकारी = संभागीय परिवहन अधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि मोदीनगर हादसे के बाद बच्चों की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि हजार आंखें और हजार हाथ नाम से अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके तहत विभाग की तरफ से वॉट्सऐप नंबर जारी किया जाएगा। नंबर पर अभिभावक जिन स्कूल में उनके बच्चे पढ़ते हैं उनकी बसों की जानकारी ले सकते हैं। वॉट्सऐप पर अभिभावकों को बसों की एक्सल सीट दी जाएगी। एक्सल सीट से बसों की फिटनेस और बीमा आदि की जानकारी मिल जाएगी। अभिभावकों की शिकायत पर मानक पूरे नहीं करने वाली बसों को सीज किया जाएगा।

राजीव कुमार ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा, अगले महीने से सुमन बेरी संभालेंगे पदभार

नई दिल्ली। करीब पांच वर्षों तक नीति आयोग के उपाध्यक्ष के तौर पर जिम्मेदारियां संभालने के बाद, राजीव कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अगले महीने यानी कि एक मई से अर्थशास्त्री सुमन के बेरी नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष होंगे। राजीव ने अगस्त 2017 में नीति आयोग के उपाध्यक्ष का पद संभाला था।

एक मई के बाद पूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे बेरी

जारी की गई एक अधिसूचना के मुताबिक कार्मिक मंत्रालय, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में डा. सुमन के बेरी शुरूआत में तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया गया है। जिसके बाद वो एक मई से आयोग की पूर्ण रूप से जिम्मेदारी संभालेंगे। अधिसूचना में कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने राजीव के इस्तीफे को भी मंजूरी दी है। उन्हें 30 अप्रैल को पद से मुक्त कर दिया जाएगा।

वर्ष 2017 में राजीव ने संभाला था पद

गौरतलब है कि वर्ष 2017 में सरकार के थिंक टैंक नीति आयोग के तत्कालीन उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया के आयोग से हटने के बाद राजीव कुमार को यह जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। राजीव ने आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र में डाक्टरेट हैं और उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।

सरकार के कई विभागों में कार्य कर चुके हैं बेरी

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री बेरी ने नेशनल काउंसिल आफ एप्लाइड इकोनामिक रिसर्च (एनसीएईआर) के महानिदेशक के रूप में कार्य किया है। वो प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद, सांख्यिकीय आयोग और भारतीय रिजर्व बैंक की तकनीकी समिति के सदस्य भी थे। बेरी ने भारत के आर्थिक सुधारों के दौरान विश्व बैंक के लिए भी काम किया है।

प्रधानमंत्री होता है नीति आयोग का अध्यक्ष

ज्ञात हो कि साल 2014 में जब बीजेपी की सरकार पहली बार सत्ता में आई थी। तब तत्कालीन योजना आयोग का नाम बदलकर नीति आयोग कर दिया गया था। नीति आयोग के पहले उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया थे। इसके बाद राजीव कुमार ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष पद को संभाला। नीति आयोग का अध्यक्ष देश का प्रधानमंत्री होता हैं।

भाजपा नेता मोहित कंबोज पर हमला, सीएम ठाकरे के बंगले के पास गाड़ी में तोड़फोड़

मुंबई। भाजपा के एक नेता ने आरोप लगाया है कि मुंबई में शादी समारोह से घर लौटते समय उन पर हमला किया गया। भाजपा नेता मोहित कंबोज भारतीय की ओर से ट्वीट की गई तस्वीर में उनकी लैंड रोवर एसयूवी के दरवाजे पर तोड़फोड़ दिख रही है। पिछले दरवाजे का हैंडल भी टूटा हुआ है। जैसे ही गाड़ी धीरे-धीरे आगे बढ़ती है, उनकी स्कॉर्ट के आसपास भीड़ जमा होती दिखाई दे रही है। कुछ पुलिसकर्मी भी लोगों को पीछे हटने के लिए कहते नजर आ रहे हैं।

कंबोज ने ट्विटर पर वीडियो पोस्ट करके कहा, मैं एक शादी में शामिल होने गया था। घर लौटते समय मेरा वाहन कलानगर इलाके में रोड सिग्नल पर रुक गया। अचानक सैकड़ों की भीड़ ने मेरे वाहन पर हमला कर दिया और उसके शीशे तोड़ दिए। दरवाजे के हैंडल भी टूट गए हैं।

इस तरह की आक्रामकता से डरने वाला नहीं

कंबोज ने कहा, मुझे स्थानीय पुलिस की ओर से अपनी गाड़ी आगे ले जाने के लिए कहा गया। कार सवार में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। मैं इस तरह की आक्रामकता से डरने वाला नहीं हूं, क्योंकि मैं और मेरी पार्टी बीएमसी (शिवसेना शासित सिविल बॉडी) में भ्रष्टाचार को उजागर कर रहे हैं।÷

कलानगर वह जगह है, जहां महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का निजी घर मातोश्री स्थित है। यहां इन दिनों शिवसेना के सैकड़ों कार्यकर्ताओं का जमावड़ा भी रहता है, जो निर्दलीय लोकसभा सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा की हनुमान चालीसा को लेकर योजना को विफल करने की योजना बना रहे हैं।

भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली भाजपा पर यह प्रतिक्रिया–पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कंबोज पर हमला सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी सरकार में भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली भाजपा पर प्रतिक्रिया है। फडणवीस ने ट्वीट करके कहा कि अगर आप महाराष्ट्र में सरकारी भ्रष्टाचार की बात करते हैं, तो संदेश दिया जाता है कि मैं तुम्हें मार दूंगा।

दिसंबर 2021 से बंद है कोरोना रोधी वैक्सीन का उत्पादन, वैक्सीन की 20 करोड़ डोज का स्टाक कंपनी के पास मौजूद, मांग में आई भारी कमी

मुंबई। सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एसआइआइ) के सीईओ अदार पूनावाला ने शुक्रवार को कहा कि टीकाकरण की गति धीमी होने से कोरोना रोधी वैक्सीन की लाखों डोज नहीं बिकी हैं। जिसके चलते पिछले साल दिसंबर से वैक्सीन का उत्पादन बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी के पास अभी 20 करोड़ डोज का भंडार है।

कोरोना संक्रमण को लेकर चेतावनी

पूनावाला ने राष्ट्रीय राजधानी में सबकुछ पहले की तरह सामान्य बनाने के प्रशासन के नजरिये को लेकर भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि हम लोगों की जिंदगी को जोखिम में डालने का खतरा नहीं उठा सकते। अभी कोरोना खत्म नहीं हुआ है और कोई नहीं जानता कि कब वह वासपी

पिछले दिनों पूनावाला ने दावा किया था कि भारत में विकसित कोरोना वैक्सीन विश्व की अन्य वैक्सीनों की तुलना में कहीं अधिक बेहतर है। उन्होंने कहा थी कि फाइजर और माडर्ना जैसी कोरोना वैक्सीन की तुलना में भारतीय कोरोना वैक्सीन में संक्रमण से बचाव में अधिक कारगर है। उन्होंने यह भी कहा था कि, देश में फाइजर या माडर्ना जैसी वैक्सीन का अना अच्छा नहीं है।

करेगा। उन्होंने युवाओं और बच्चों के टीकाकरण को लेकर भी तेजी से फैसला लेने का आह्वान किया।

वैक्सीन की मांग में बढ़ोतरी नहीं

पूनावाला ने कहा कि जब दूसरे टीके लगाए जा सकते हैं तो कोरोना का टीका क्यों नहीं, जिसके खत्म होने के बारे में कोई कुछ नहीं जानता। पूनावाला ने कहा कि लगता है कि लोगों में अब टीका लगाने को लेकर उत्साह नहीं है, क्योंकि सतर्कता डोज की कीमत घटाकर 225 रुपये प्रति डोज करने के बाद भी वैक्सीन की मांग नहीं बढ़ी है।

फाइजर और माडर्ना से बेहतर भारतीय वैक्सीन

पिछले दिनों पूनावाला ने दावा किया था कि भारत में विकसित कोरोना वैक्सीन विश्व की अन्य वैक्सीनों की तुलना में कहीं अधिक बेहतर है। उन्होंने कहा थी कि फाइजर और माडर्ना जैसी कोरोना वैक्सीन की तुलना में भारतीय कोरोना वैक्सीन में संक्रमण से बचाव में अधिक कारगर है। उन्होंने यह भी कहा था कि, देश में फाइजर या माडर्ना जैसी वैक्सीन का अना अच्छा नहीं है। क्योंकि अमेरिका जैसे देशों में लोग वैक्सीन की दूसरी और तीसरी डोज ले चुके हैं। इसके बावजूद वो संक्रमित हो रहे हैं, वहीं भारत में हमारी वैक्सीन लेने वालों में बेहतर प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो गई है।

हेट स्पीच मामले में दिल्ली पुलिस को बेहतर हलफनामा दायर करने लिए सुप्रीम कोर्ट का आदेश, दो जजों की बेंच ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली। हेट स्पीच के मामले में दिल्ली पुलिस के हलफनामे पर नाराजगी जताते हुए शीर्ष कोर्ट ने कहा कि वह बेहतर हलफनामा दायर करें। शनिवार को सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली पुलिस ने कहा कि गत वर्ष 19 दिसंबर को हिंदू युवा वाहिनी के कार्यक्रम में किसी समुदाय के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की गई थी।

कोर्ट ने पुलिस के हलफनामे को लेकर उठाए सवाल

न्यायमूर्ति एएम खानविलकर तथा न्यायमूर्ति अभय एस ओका की पीठ ने कहा, हलफनामा पुलिस उपायुक्त की ओर से दायर किया गया है। उन्होंने सिर्फ जांच रिपोर्ट ही पेश कर दी या दिमाग भी लगाया है। कोर्ट ने सवाल किया कि क्या आपका यही रुख है अथवा उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी की जांच रिपोर्ट को फिर से पेश करना है? क्या कोर्ट के समक्ष हलफनामे पर ऐसा रुख अपनाया जा सकता है। हम जानना चाहते हैं कि हलफनामे की पुष्टि किसने की और क्या दिल्ली पुलिस इसे सही निष्कर्ष के रूप में स्वीकार कर रही है।

दो हफ्तों में दायर होगा नया हलफनामा

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश एडिशनल सालिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा कि वह इस मामले को देखेंगे और एक नया हलफनामा दायर करेंगे। इसके लिए उन्होंने दो

सप्ताह का समय मांगा। कोर्ट ने कहा, इस मामले को नौ मई को सूचीबद्ध करें। बेहतर हो कि हलफनामा चार मई को या उससे पहले दायर किया जाए। बता दें कि पीठ उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें मुस्लिम समुदाय के खिलाफ हेट स्पीच की घटनाओं की एसआइटी द्वारा स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच का निर्देश देने की मांग की गई थी।

हेट स्पीच रोकने के लिए नियम बनाने पर केंद्र से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि वह हेट स्पीच पर नियंत्रण के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कानूनों का अध्ययन कर प्रभावी नियम बनाए। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। जस्टिस एएम खानविलकर और अभय एस ओका की पीठ ने सालिसिटर जनरल तुषार मेहता से इस मुद्दे की जांच करने और संबंधित अधिकारियों से उचित जवाब दाखिल करने को कहा। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा, शीर्ष अदालत ने एक मामले में उल्लेख किया था कि विधि आयोग ने हेट स्पीच को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने के लिए एक आधार माना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है। - अज्ञात

संपादकीय

राजनय की मजबूती

भारत और ब्रिटेन के बीच जो नजदीकी देखी गई है, उसे आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का भारत दौरा दर्ज करने लायक मोड़ साबित हो सकता है। ब्रिटेन आर्थिक संबंधों को बढ़ाना चाहता है, साथ ही, रक्षा मामलों में भी भारत के साथ सहयोग बेहतर करने को लालायित है। हो सकता है, ब्रिटेन की यह कोशिश इसलिए भी हो कि रूस पर भारत की निर्भरता कम हो जाए, लेकिन तब भी भारत जिस तरह से अपना हित देखते हुए मजबूती से आगे बढ़ रहा है, वह मानीखेज है। खास कामयाबी यह कि ब्रिटेन भारत को एक ओपन जनरल एक्सपोर्ट लाइसेंस जारी करेगा, जिससे रक्षा खरीद आपूर्ति में कम समय लगेगा। इसके अलावा ब्रिटेन लड़ाकू जेट बनाने में भी भारत की मदद करेगा। हिंद महासागर में भारत की ताकत बढ़ाने की दिशा में भी वह मदद करना चाहता है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्वास्थ्य क्षेत्र में ब्रिटेन ने भारत में निवेश बढ़ाने की बात भी की है। इतना ही नहीं, दोनों देश इसी साल के अंत तक एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता भी करने वाले हैं। इस तरह का समझौता पहले ही हो जाना चाहिए था, लेकिन अगर ब्रिटेन इस दिशा में अब बढ़ रहा है, तो भारत की बढ़ी हुई अहमियत को हम नजरंदाज नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बोरिस जॉनसन के बीच जो गर्मजोशी देखी गई है, उस पर न केवल भारतीय कूटनीतिज्ञों, बल्कि दुनिया की भी नजर होगी। दोनों ही नेता परस्पर संबंध विस्तार के लिए व्यग्र नजर आ रहे हैं, तो दुनिया के बदलते हालात की भी इसमें भूमिका है। कूटनीतिज्ञ भी इस बात को रेखांकित करते हैं कि विश्व की राजनीति में आज भारत का जो महत्व है, वह पहले नहीं था। पहले अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश भारत व पाकिस्तान के साथ एक समान व्यवहार के लिए बाध्य दिखते थे। शीतयुद्ध के दौर में दोनों देशों को एक ही तराजू पर रखकर चलने की वैश्विक कोशिश ने भारत को कई बार बहुत निराश किया है। हम अपना पक्ष रखते तो थे, लेकिन उससे लाभ नहीं ले पाते थे। अब ऐसा लगता है कि दुनिया खुद आगे बढ़कर भारत के बारे में सोचना चाहती है। अमेरिकी विदेश मंत्री हों या रूसी विदेश मंत्री या चीनी विदेश मंत्री या अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, ये तमाम यात्राएं भारतीय शक्ति का प्रमाण हैं। हमें पाकिस्तान के साथ तौलने का पश्चिमी तराजू अब शायद टूट चुका है। हमें विश्व-राजनय में अपनी वाजिब जगह और मजबूती, दोनों को कायम रखना है। एक और ताजा मामला देखें, तो एक अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ने पाक-अधिकृत कश्मीर की यात्रा की, जिस पर भारत ने आपत्ति जताई, इसके बाद अमेरिकी सरकार को स्पष्ट करना पड़ा कि डेमोक्रेट सांसद की यात्रा से बाइडन सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। दुनिया में अभी कोई ऐसा देश नहीं है, जो भारत को रूस का पुराना साथी होने के नाते कठघरे में खड़ा कर दे। भारत बहुत संभलकर चल रहा है। वह न तो रूस के खिलाफ गया है, न ही यूक्रेन के विरोध में खड़ा दिखा है। यह संतुलन भारतीय राजनय का नया सशक्त पहलू है। हर हाल में भारत को अपना हित देखते हुए चलना है। साथ ही, यह भी ध्यान रखना है कि भारत सिर्फ बाजार नहीं है, कोई भी देश भारत को सिर्फ बाजार मानकर न चले। संबंधों का विस्तार उन्हीं देशों के साथ होना चाहिए, जिनको हमारी पीड़ाओं का भी अंदाजा हो। राजनय की मजबूती देश के विकास में साकार होनी चाहिए।

आज के कार्टून

धर्म और आनंद

आचार्य रजनीश ओशो/ चारों तरफ देखेंगे, तो दिखाई पड़ेगा, मनुष्य को छोड़ कर सारी प्रकृति में एक अदभुत प्रकार का संगीत है। पशुओं में, पक्षियों में, पौधों में एक अलौकिक संगीत और शांति है, लेकिन मनुष्य में नहीं। यह तथ्य आश्चर्यजनक है। मनुष्य में तो और भी गहरा संगीत और शांति होनी चाहिए। क्योंकि उसके पास विचार है, विवेक है, सोचने और समझने की क्षमता है, लेकिन उलटा हुआ है, हमारी सारी सोचने-समझने की क्षमता, हमारा विवेक और विचार हमारे जीवन के शांति और आनंद में सहयोगी बनने की बजाय बाधक बन गया है। बहुत पुरानी कथा है, सुनी होगी आपने। बाइबिल में एक बहुत पुरानी कथा है, मनुष्य आनंद में था, स्वर्ग के राज्य में था, लेकिन उसने ज्ञान का फल चखा और परमात्मा ने उसे बहिश्त के एक बगीचे से बाहर निकला दिया। यह कथा आश्चर्यजनक है, ज्ञान का फल चखने से मनुष्य के जीवन से आनंद और शांति और स्वर्ग छिन गए? ज्ञान के कारण स्वर्ग छीना, यह कथा हैरान करनी वाली है! लेकिन यह सच मालूम होती है। तो जरूर ज्ञान को हमने कुछ गलत ढंग से पकड़ा होगा; जिसके परिणाम में जीवन की शांति और संगीत नष्ट हुए हैं। यह तो असंभव है कि ज्ञान मनुष्य के जीवन से सुख को छीन ले, लेकिन जैसे-जैसे ज्ञान बढ़ता गया है वैसे-वैसे यह तथ्य की बात है कि शांति और संगीत और आनंद कम होते गए हैं। मनुष्य जितना सभ्य हुआ है, जितनी ज्ञान की उसने खोज की है, उतना ही उसका जीवन उदास, दुख और पीड़ा से भर गया। उसके लिए यह व्यर्थता जीवन में आई है जितना हमारा ज्ञान बढ़ा। होना तो उलटा चाहिए, ज्ञान बढ़े तो जीवन में गहराई बढ़े, ज्ञान बढ़े तो जीवन में प्रकाश बढ़े, ज्ञान बढ़े तो जीवन में अंधकार कम हो, ज्ञान बढ़े तो जीवन में आनंद बढ़े, दुख विलीन हो, होना तो यही था, लेकिन यह हुआ नहीं। और इस बात का..के साथ-साथ जो होना था वह नहीं हुआ है। बल्कि अब तो ऐसा लगता है कि मनुष्य का यह ज्ञान कहीं पूरी मनुष्य-जाति का अंत न बन जाए। अज्ञान ही कहीं ज्यादा आनंदपूर्ण था। होना उलटा था, नहीं वैसा हुआ तो कुछ कारण हैं। कारण यह है कि ज्ञान की सारी खोज, मनुष्य की पूरी खोज मनुष्य के बाहर जो है मात्र उससे ही संबंधित हो गई है। मनुष्य के भीतर जो छिपा है उस संबंध में हम अब भी गहरे अज्ञान में हैं।

मंहगाई पर काबू की कौन सोचेगा?

(लेखक- ऋतुपर्ण दवे)

दरअसल मंहगाई वो सार्वभौमिक सत्य है जिसको लेकर शायद ही कभी ऐसा दौर रहा हो सरकार किसी की भी हो, निशाने पर न आई हो। कभी मंहगाई को विकास के पैमाने से जोड़ा जाता है तो कभी इसे महामारी या युध्द के नाम मढ़ दिया जाता है। लेकिन यह भी बड़ी हकीकत है कि कम से कम भारत में मंहगाई की मार हमेशा एक तबका विशेष को ही ज्यादा झेलनी पड़ती है। यह बात अलग है कि समय के साथ इसके निशाने पर समाज का अलग-अलग वर्ग आता रहा है। मौजूदा समय में बेशक मंहगाई का सबसे बड़ा खामियाजा वो मध्यम वर्ग ही झेल रहा है जिसके पास सिवाय सीमित आय से गुजारा करने के और कोई चारा नहीं बचा है। इस सच को भी स्वीकारना होगा कि तमाम वायदों, प्रलोभनों और राजनीतिक दांव-पेंच के बीच कभी सस्ता तो कभी मुफ्त का अनाज, कभी गरीबों को मदद पहुंचाने की होड़ में छूटता और पिसता मध्यम वर्ग ही है जो अपनी सीमित आय और तमाम सरकारी औपचारिकताओं को पूरा कर हमेशा पिसता रहा है। पहले गरीब मंहगाई का शिकार होते थे जब किसी भी तरह की सरकारी योजनाओं का सीधा-सीधा लाभ नहीं मिल पाता था। अब चाहे बात इन्कम टैक्स की हो या मकान भाड़ा, वाहन का भाड़ा हो या वक्त पर काम पर पहुंचने की दौड़, बच्चों को योग्यता के हिसाब से पढ़ाने या रहन-सहन में खर्च की या फिर इज्जत के साथ परिवार के दो जून की रोटी की कवायद। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित मध्यम वर्ग ही हुआ है। मौजूदा मंहगाई को पहले कोविड की नजर लगी, अभी रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते ग्लोबल इकॉनामी की दुहाई दी गई। जिंस और वित्तीय बाजारों में जैसे उतार-चढ़ाव दिख रहे हैं वह ठीक नहीं हैं। अब ज्यादा सतर्कता के साथ वित्तीय कदम उठाए जाने चाहिए जिससे भारत में मुद्रास्फीति और वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले प्रतिकूल असर से निपटने में मदद मिल सके। इसी 11 अप्रेल को सरकार द्वारा जारी किए गए डेटा बताते हैं कि मार्च-2022 में खुदरा महंगाई दर फरवरी-2022 की तुलना में इतनी बढ़ी कि 16 महीनों के उच्चतम स्तर 6.95 प्रतिशत पर पहुंच गई। फरवरी-2022 में यही दर 6.07 प्रतिशत थी। इसी मंहगाई दर या वृध्दि की तुलना बीते साल के मार्च से करें तो और भी चौंकाने वाला आंकड़ा सामने है। मार्च में खाने-पीने के सामान के दामों में 7.68 प्रतिशत की वृध्दि हुई जो फरवरी में केवल 5.85 प्रतिशत थी। अंतर और आंकड़े खुद ही कहानी कह रहे हैं। वहीं यदि इसी फरवरी-2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो तस्वीर बदलती दिखने लगती है। पेट्रोल-डीजल के मूल्य में 10-10 रूपए की वृद्धि का असर माल भाड़े पर भी पड़ा और भाड़ा 15 से 20 तक तक बढ़ा। इन कारकों और कारणों से खुदरा और थोक दोनों बाजारों में अनाज, फल, दूध और सब्जियों के दाम किस तरह से बढ़े, सबको पता है। मार्च महीने में खाने-पीने की वस्तुओं के दामों में 7.68 प्रतिशत की तेजी आई है जबकि यही खुदरा महंगाई दर फरवरी में 5.85 प्रतिशत पर थी। हालांकि 48 अर्थशास्त्रियों के बीच एक पोल के जरिए पहले ही यह अनुमान लगा लिया गया था कि खुदरा मंहगाई दर बढ़ गई है जो 16 महीनों के अधिकतम स्तर पर पहुंच चुकी है। बाद में यही सच निकला। सर्वेक्षण 4 से 8 अप्रेल के बीच किया गया था और सरकारी आंकड़े 11 अप्रेल को आए। फरवरी-2022 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 13.11 प्रतिशत रही जो 4 महीनों का उच्चतम स्तर था। वहीं जनवरी-2022 में दर 12.96 प्रतिशत थी जो मार्च-2022 में 14.55 प्रतिशत पहुंच गई। जबकि मार्च 2021 में यही थोक आधारित महंगाई दर केवल 7.89 प्रतिशत थी जिसका दहाई के अंकों तक पहुंचना चिन्ताजनक है। 137 दिनों के अंतराल के बाद भारत में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में इजाफा का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ जिसने कई दिनों तक थमने का नाम नहीं लिया। जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम गिर चुके थे। भारत में पेट्रोल-डीजल के दामों में बीते 22 मार्च से इसी 6 अप्रैल तक कई बार वृध्दि हुई जो दिवाली के वक्त से नहीं बढ़े थे। वैश्विक स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर शुरू में भारत में नहीं दिखा क्योंकि 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव थे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 15 मार्च 2022 से पहले लगातार तीन सप्ताह तक 130 डॉलर प्रति बैरल तक उछला तेल भी टूटकर 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। भारत में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों उछाल दुनिया में तेल के दाम गिरने के बाद शुरू हुए। हालांकि छह अप्रैल से इसे लिखे जाने तक कोई भी कीमत नहीं बढ़ी है। लेकिन तब तक पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 10-10 रुपए का इजाफा हो चुका था। इसी तरह एलपीजी, पीएनजी, सीएनजी के दाम भी बढ़ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में कीमतों में गिरावट जारी है। 3 अप्रेल को इंडियन बास्केट की कीमत गिरकर 97 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई जो मार्च की औसत कीमत से लगभग 13 प्रतिशत सस्ती है। मंहगाई का सबसे ज्यादा असर थाली पर पड़ता है। नींबू तक ने दामों में ऐसी ऐतिहासिक छलांग मारी कि नजर उतारने के बजाए खुद नजरिया गया। यही हाल आसमान छूते सब्जियों के दामों, दूध, फल और अन्य खाद्य सामग्रियों पर भी पड़ा। लोहे के सरियों की कीमतें जबरदस्त उछलीं। सीमेण्ट भी प्रति बोरी 15 से 25 रुपए बढ़ गई। ईंट तक के दाम खूब उछाल पर हैं। कुछ समय पहले तक दो कमरे, एक रसोई, एक बाथरूम यानी औसत 111 गज का मकान 10 लाख रुपए में आसानी से बन जाता था अब वहीं 12-13 लाख रुपयों से भी ज्यादा हो गई है। इधर आम दवाइयां जैसे बुखार, दर्द निवारक से लेकर एंटीबायोटिक तक की कीमतें भी दस प्रतिशत तक बढ़ीं जिससे इलाज कराने वालों का दर्द घटने की बजाए बढ़ा। रोजाना दवाओं के सहारे जिन्दगी की डोर थामें मरीजों को अब एक-एक सांस भारी पड़ रही है। एक तरफ हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं। दूसरी तरफ लॉकडाउन ने करोड़ों रोजगार खत्म कर दिए। अनगिनत व्यापार-व्यवसाय चौपट हुए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग एकाएक गरीब हो गए। उन्हें वो राहत नहीं मिली जो मिलनी थी। रही-सही कसर दो साल में कोरोना ने पूरी कर दी। अब रूस-यूक्रेन युध्द की विभीषिका के नाम पर अर्थव्यवस्था तबाही की कगार पर है। विसंगतियां बहुत हैं। सरकार का राहत पैकेज बड़े उद्योगपतियों को जरूर मिला लेकिन आम जनता के हिस्से आया केवल पांच किलो अनाज। माना कि सरकारी कर्मचारियों की थोड़ी बहुत भरपाई मंहगाई भत्ता बढ़ाकर हो भी जाए लेकिन बांकी मध्यम वर्ग को राहत की कौन सोचेगा? वैसे तो मंहगाई का सब पर असर पड़ता है और पड़ा भी। खाली जेब आम आदमी कैसे जाएगा बाजार? सवाल फिर वही कि मंहगाई को काबू में कैसे रखा जाए? जाहिर है मंहगाई वो बेलगाम घोड़ा है जिसे रोका तो नहीं जा सकता पर काबू जरूर किया जा सकता है। लगता है कि इन हालातों में मंहगाई घटेगी! हां, काबू में तो रखना ही होगा वरना जीवन और कठिन हो जाएगा।

वामदलों की साख बहाली की चुनौती

येचुरी की हैट्रिक/ कृष्ण प्रताप सिंह

उदारवादी माने जाने वाले सीताराम येचुरी वामपंथी दलों के मोर्चे की सबसे बड़ी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की तेईसवीं पार्टी कांग्रेस में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए महासचिव चुन लिए गए हैं। बहुत स्वाभाविक है कि वामदलों की सही-गलत रीति-नीति और बढ़ते-घटते प्रभावों से जुड़े वे सारे प्रश्न एक बार फिर पूछे जाने लगें जो पश्चिम बंगाल व त्रिपुरा जैसे उनके गढ़ों के ढहने और येचुरी के पहली बार महासचिव बनने से पहले से पूछे जाते रहे हैं। इन प्रश्नों में सबसे बड़ा तो यही है कि चुनाव नतीजों के लिहाज से वामपंथी दल लगातार पराभव की ओर क्यों जा रहे हैं? और क्यों केरल के गत विधानसभा चुनाव में उनके मोर्चे की सत्ता में वापसी के बावजूद उनके विरोधी कह रहे हैं कि आगे चलकर वे विलोपीकरण के शिकार हो जायेंगे या सिर्फ जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जैसी जगहों पर पाये जाएंगे? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि देश के हिंदी प्रदेश में वाम दलों की प्रतीकात्मक उपस्थिति भी क्यों मुश्किल हो चली है, जिसकी जमीन को वे एक समय अपने लिए बेहद अनुकूल और उर्वर मानते थे? क्यों यह उम्मीद भी लगातार नाउम्मीद होती चली आ रही है कि कौन जाने अपने गढ़ खो देने के बाद ही वे अपनी संभावनाओं के देशव्यापी विस्तार के लिए खुलकर खेलने का मन बनायें? येचुरी अपने पहले दो कार्यकालों में अपनी नरमलाइन के बावजूद वामपंथ के जनाधार में पहले से जारी छीजन को रोकने और इन प्रश्नों को सम्बोधित करने में जिस तरह नाकामयाब रहे हैं, उससे लगता नहीं कि उनके नये कार्यकाल में इनके सही उत्तर हासिल हो पायेंगे। वाम दलों के लिए इन सवालों के जवाब इसलिए भी कठिन हो चले हैं कि वे संसदीय कहें अथवा चुनावी राजनीति में उतरे तो उसे अपनी क्रांतिकामना के लिए इस्तेमाल करने के मंसूबे से थे, मगर समय के साथ खुद उसके हाथों इस्तेमाल होकर रह गये हैं। वे आजादी के बाद विकसित अपनी वह छवि भी नहीं बचा पाए हैं, जिसमें उन्हें न सिर्फ सत्तारूढ़ कांग्रेस बल्कि प्रायः सारी मध्यवर्गी पार्टियों का सबसे प्रतिबद्ध वैचारिक प्रतिपक्ष माना जाता था। विडंबना यह है कि बाद के गतिहीन सत्ता संघर्षों में उक्त पार्टियों की राजनीति अपनी विचारधाराओं को लात लगाकर सारा तकिया जाति, धर्म, संप्रदाय और क्षेत्र आदि की विडंबनाओं पर रखने लगी तो वामपंथी दल उससे अलगाव का खतरा उठाने का साहस नहीं प्रदर्शित कर पाये। तत्कालीन परिस्थितियों के नाम पर कभी इस तो कभी उस बड़ी पार्टी की पालकी के कहार की भूमिका में दिखने लगे। स्थितियों और परिस्थितियों के आकलन में उन्होंने लगातार गलतियां कीं-आजादी के पहले से लेकर आजादी के बाद तक। मिसाल के लिए अविभाजित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के इस निर्देश पर अमल के बजाय कि उसे पूरी शक्ति से ब्रिटिश साम्राज्यवाद से लड़ना चाहिए, लगातार ब्रिटिश कम्युनिस्ट पार्टी के एजेंडे पर चलती रही, जिसके फलस्वरूप स्वतंत्रता संघर्ष में अपनी भूमिका को तार्किक परिणति नहीं दे सकी। आजादी के बाद माकपा को ज्योति बसु के रूप में देश को पहला वामपंथी प्रधानमंत्री देने का अवसर हाथ लगा तो उसने साफ इनकार कर दिया। तब वामदलों के विरोधियों व शुभचिंतकों, दोनों को कहना पड़ा कि वामदलों की ट्रेन छूट गई है। वहीं जब उन्हें राजीव गांधी व मनमोहन सिंह प्रवर्तित नई आर्थिक नीतियों से लड़ना चाहिए था, उन्होंने अपनी सारी शक्ति उस सांप्रदायिकता से लड़ने में ही लगा दी जो जनविरोधी आर्थिक नीतियों का ही उत्पाद थी और इस अर्थनीति के साथ ही स्वतः खत्म हो जाती। वामपंथी ऐसी भूलें नहीं करते तो आज प्रायः सारी मध्यवर्गी पार्टियों से निराश देश उन्हें खासी उम्मीद के साथ निहारता। वे कह पाने की स्थिति में होते कि अब हमारी बारी है। लेकिन अभी तो व अपने गढ़ों तक में जनता का कोप झेल रहे हैं। संघर्षविमुख वाम दलों ने अपनी क्रांतिकामना को भी कर्मकांड बना डाला है-देश को वामजनवादी विकल्प देने के लिए काम करने, व्यापक वामपंथी एकता के प्रयास तेज करने और गैरवामपंथी दलों से न्यूनतम साझा कार्यक्रम के आधार पर रणनीतिगत समर्थन व सहयोग के रिश्ते बनाने आदि को भी। फल यह है कि वामदलों में बिखराव बढ़ता जा रहा है। उन्हें पुनर्जीवन के लिए नये फार्मूलेशनों और रणनीतियों की बेहद सख्त जरूरत है। और सवाल फिर वही कि क्या येचुरी इस लिहाज से कोई भूमिका निभा पायेंगे? इसका एक जवाब यह भी है कि उनसे मध्यवर्गी पार्टियों के सुप्रीमो जैसी अपेक्षा नहीं ही की जानी चाहिए। सारे 'पराभव' के बावजूद वामदलों का सांगठनिक ढांचा अभी भी अपने नायकों को निरंकुश होने की इजाजत नहीं देता और जनवादी केन्द्रीयता में यकीन करता है। निःसंदेह, येचुरी की पार्टी तक में उनकी राजनीतिक लाइन के विरोधियों की कमी नहीं है। वहीं जो दलित व पिछड़े कभी वामदलों के आधार हुआ करते थे, इस आरोप तक आ पहुंचे हैं कि वामपंथी दलों ने वर्ग के चक्कर में वर्ण की हकीकतों को ठीक से नहीं समझा है। ऐसे में आगे देखने की बात यही होगी कि येचुरी अपने तीसरे कार्यकाल में विगत दो कार्यकालों को ही दोहराते रह जाते हैं या कोई नई जमीन तोड़ पाते हैं।

सू-दोकू नवताल -2099

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

सू-दोकू -2098 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2099

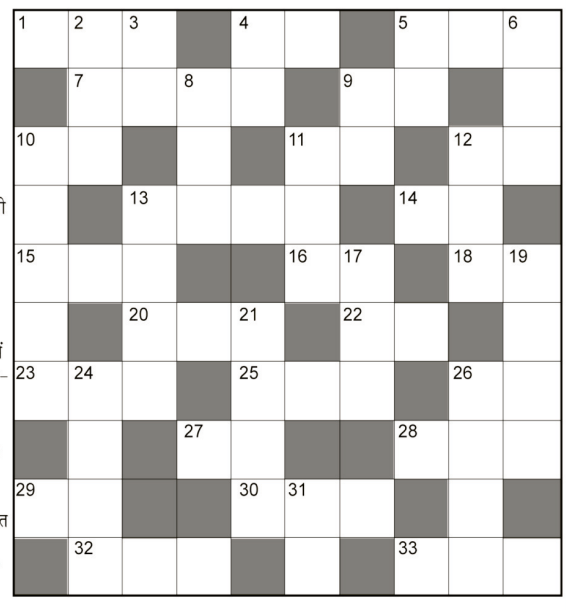

बायें से दायें:-

1. अमिताभ बच्चन की 'प्यार बिना जिंदगी बेकार है' गीत वाली फिल्म-3
4. मिथुन, अश्विनी भावे की फिल्म-2
5. जैकी श्रॉफ, महिमा, रवीना की 'मुझ से क्यों रूठे हो' गीत वाली फिल्म-3
7. 'हैं कली कली के लब पर' गीत वाली तलत महमूद, श्यामा की फिल्म-4
9. 'एक कुंवारा फिर गया मारा' गीत वाली फिल्म-2
10. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-2
11. दिलीप कुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-2
12. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-2
13. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'आईना वही रहता है' गीत वाली फिल्म-4
14. 'आई एम ए बैड गर्ल' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-2
15. आमिरखान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
16. 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-2
18. 'सुनो गौर से दुनिया वालो' गीत वाली फिल्म-2
20. दिलीप कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
22. सनी देओल, शाहरुख, जूही चावला की फिल्म-2
23. अभ्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
25. 'भीगे होंठ तेरे' गीतवाली फिल्म-3
26. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम-2
27. 'कैसा जादू डाला रे' गीत वाली ऐश्वर्या की फिल्म-2
28. शाहरुख, माधुरी की फिल्म-3
29. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली, फिल्म-2
30. अमिताभ, हेमा, संजीव की फिल्म-3
32. 'झूठे नैना बोले सांची बतियां' गीत वाली फिल्म-3
33. फिल्म 'मिलन' की नायिका-3

ऊपर से नीचे:-

2. 'कई सदियों से कई जन्मों से' गीत वाली शत्रुघ्न सिन्हा, रीना राय की फिल्म-3
3. विनोद खन्ना, अमोल म्हात्रे, डिम्पल की 'जब से करीब हो के चले' गीत वाली फिल्म-2
4. मोहन भाकरी निर्देशित जावेद खान, दीपिका की एक सस्पेंस फिल्म-2
5. अक्षय कुमार, बॉबी देओल, जूही 'इश्क ना इश्क हो किसी से' गीत वाली फिल्म-2
6. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-3
8. राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-3
9. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-2
10. करणनाथ, जॉय फर्नांडिस, फरहान खान, आरती अग्रवाल की 'मेरा दिल कहने लगा' गीत वाली फिल्म-5
11. 'अजी रूठ कर अब कहां जाइएगा' गीत वाली राजेन्द्र कुमार, साधना की फिल्म-3
12. अक्षय कुमार, रवीना टंडन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-3
13. 'जिंदगी अब तेरे नाम से डर लगता है' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला की फिल्म-4
17. दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला की 'हमीं से मोहब्बत हमीं से लड़ाई' गीत वाली फिल्म-3
19. धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, शर्मिला की फिल्म-4
21. संजीव कुमार, शर्मिला, शबाना, वहीदा रहमान की 'राहों पे रहते हैं' गीत वाली फिल्म-4
24. 'आज मेरे कातिल की' गीत वाली जीतेंद्र, संजय दत्त, जूही चावला की फिल्म-4
26. हेमा मालिनी अभिनीत 'दुनिया का मेला मेले में लड़की' गीत वाली फिल्म-2,2
31. 'जब भी ये दिल उदास होता है' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी गरेवाल की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2098

दि	ल	का	रि	श्ता		अ	मि	पु	त्र
	गा		श्ते		द	म		का	
सो	न	म		कु		न	फ	र	त
ल्ज		न		द	र्द		ग		क्ष
र	फू	च	क्क	र		जो	र		क
		ली		त	ला	श		द	
खु	शी		दा		वा		अ	र्प	ण
	शा	न	दा	र		जीं		ण	
हे		ग		वि	ग	स	त		व
मा	ला	मा	ल		खी			क्रो	ध

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टाटा मोटर्स ने यात्री वाहनों की कीमतों में किया 1.1 फीसदी का इजाफा

मुंबई । देश की प्रतिष्ठित वाहन विनिर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने तत्काल प्रभाव से अपने यात्री वाहनों की कीमतों पर औसतन 1.1 फीसदी का इजाफा किया हैं। कंपनी ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि वाहन निर्माण की लागत में वृद्धि होने के कारण यात्री वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। टाटा मोटर्स ने कहा कि यह मूल्य वृद्धि 23 अप्रैल से ही प्रभाव में आ गई है और विभिन्न मॉडल एवं संस्करण के आधार पर औसत मूल्य वृद्धि 1.1 फीसदी है। टाटा मोटर्स से पहले कई अन्य वाहन विनिर्माता भी लागत बढ़ने की वजह से कीमतों में बढ़ोतरी कर चुके हैं। पिछले कुछ महीनों में इस्पात एवं अन्य कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से वाहनों की कीमतों में पांच से आठ फीसदी तक वृद्धि हो चुकी है।

स्टार्टअप वॉयजर अपनी ट्रैवल साइट के विस्तार के लिए 22 लाख पाउंड का करेगी निवेश

कोलकाता । प्रतिष्ठित वैश्विक डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी स्टार्टअप वॉयजर अगले दो वर्षों में कारोबार विस्तार के लिए अपनी नई ट्रैवल साइट एक्सपीरिवाइज में 22 लाख पाउंड का निवेश करेगी। यह निवेश एक अरब पाउंड मूल्य के ब्रिटेन-भारत व्यापार सौदों का एक हिस्सा है जिसकी घोषणा ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने हाल में ही अपनी भारत यात्रा के दौरान की थी। स्टार्टअप वॉयजर के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरिजीत बनर्जी ने इस निवेश योजना की घोषणा करते हुए कहा, 'लंदन स्थित अपनी एसईओ एजेंसी के विस्तार के अलावा हम ब्रिटेन में अपनी नई ट्रैवल साइट एक्सपीरिवाइज की विशाल विकास क्षमता को लेकर खासे उत्साहित हैं।' एक्सपीरिवाइज वेबसाइट यात्रियों को अक्सर अनदेखी या कम सर्च की गई सुंदर जगहों को खोजने में मदद करती है। स्टार्टअप वॉयजर पूरी तरह रिमोट कंपनी है। उसके 35 से अधिक कर्मचारी सात देशों में फैले हुए हैं और ब्रिटेन, भारत और कनाडा में उसकी कॉर्पोरेट इकाइयां हैं। कंपनी की एक अन्य सह-संस्थापक जयति घोष ने कहा, 'अगले कुछ महीनों में बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक्सपीरिवाइज भारत से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ब्रिटिश यात्रा संगठनों के साथ मिलकर काम करेगी।'

आरबीआई ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर लगाया 36 लाख का जुर्माना

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर 36 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कहा कि बैंक पर यह कार्रवाई नियामकीय अनुपालन में कमी के आधार पर की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि उसने 18 अप्रैल 2022 को जारी किए गए एक आदेश में बैंक पर मॉनेटरी पैनल्टी लगाई है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह जुर्माना बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 के प्रावधानों के तहत लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि यह कार्रवाई नियामकीय अनुपालन में लापरवाही बरतने को लेकर है और इसका बैंक का उसके ग्राहकों के साथ होने वाले लेनदेन और समझौतों के साथ कोई लेना-देना नहीं है। बयान में आगे कहा गया है कि रिजर्व बैंक ने 31 मार्च 2020 की वित्तीय स्थिति को लेकर एक निरीक्षण किया था, जिसमें इन निर्देशों का पालन न करने की बात सामने आई। केंद्रीय बैंक की जांच में सामने आया था कि बैंक ने उपयुक्त निर्देशों का पालन नहीं किया है। रबीआई ने कहा कि उसने बैंक को एक नोटिस भेजा था, जिसमें उसे सुझाव दिया गया था कि वह इस बात का जवाब दे कि बताए गए निर्देशों के साथ अनुपालन नहीं कर पाने के लिए उस पर जुर्माना क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। नोटिस पर बैंक के जवाब और सुनवाई के बाद आरबीआई ने मौद्रिक जुर्माना लगाया।

भारत और अमेरिका संबंध आगे बढ़ने के साथ मजबूत हुए: वित्त मंत्री

वाशिंगटन ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंध आगे बढ़ने के साथ मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन युद्ध के बाद वह अवसरों की और खिड़कियां खुलते हुए देख रही हैं। सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में हिस्सा लेने यहां आई थीं। इस दौरान उन्होंने कई द्विपक्षीय बैठकें कीं और कई बहुपक्षीय बैठकों में हिस्सा लिया। उन्होंने बाइडन प्रशासन के कई शीर्ष अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंध को लेकर एक सवाल पर कहा कि ऐसी समझ बनी है कि अमेरिका के साथ भारत के संबंध असल में आगे बढ़े हैं। यह मजबूत हुए हैं। इस पर कोई भी सवाल नहीं उठा सकता। लेकिन यह समझ भी है कि न केवल रक्षा उपकरणों के लिए रूस पर पुरानी निर्भरता है, बल्कि भारत के उसके साथ कई दशकों के संबंधों में विरासत के मुद्दे भी हैं। सीतारमण ने अपनी यात्रा के समापन पर वाशिंगटन डीसी में भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में कहा कि मैं अधिक से अधिक अवसरों को पैदा होते हुए देखती हूं, बजाय यह कहने के अमेरिका एक हाथ की दूरी बरत रहा है कि आपने रूस पर जो रुख अपनाया है, उससे नहीं लगता कि आप हमारे नजदीक आ रहे हैं। नहीं। वित्त मंत्री ने हिद-प्रशांत क्षेत्र में घटनाक्रम और हाल में संपन्न टू प्लस टू मंत्री स्तरीय वार्ता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हिद प्रशांत आर्थिक संबंध की रूपरेखा पर जो बातचीत चल रही है, वह भी काफी जोर पकड़ रही है और प्रधानमंत्री ने कहा है कि वह इस पर विचार करेंगे।

नीति आयोग के वाइस चेयरमैन राजीव कुमार ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली ।

नीति आयोग के वाइस चेयरमैन राजीव कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी नियुक्ति पांच साल पहले अगस्त 2017 में हुई थी। उन्होंने अरविंद पनगढ़िया की जगह ली थी। अब सुमन के बेरी नीति आयोग के नए वाइस प्रेसिडेंट होंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने राजीव कुमार के इस्तीफे को मंजूरी दी। उन्हें 30 मार्च 2022 को कार्यमुक्त किया जाएगा। फिलहाल उनके पद से हटने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। डॉ सुमन के बेरी को राजीव कुमार की जगह एक मई 2022 से अगले आदेश तक नीति आयोग का वाइस प्रेसिडेंट नियुक्त करने को मंजूरी दी गई। बेरी को तत्काल प्रभाव से 30 अप्रैल 2022 तक नीति आयोग का सदस्य बनाया गया है। बेरी ने इससे पहले नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के महानिदेशक (मुख्य कार्यकारी) के रूप में कार्य किया है। वह प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद, सांख्यिकीय आयोग और मौद्रिक नीति पर भारतीय रिजर्व बैंक की तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य भी रह चुके हैं।

बुलेट बनाने वाली कंपनी का शेयर बुलेट की गति से दौड़ रहा

मुंबई । रॉयल एनफील्ड ब्रांड से बुलेट बनाने वाली कंपनी आयशर मोटर्स का स्टॉक भाव काफी तेजी से बढ़ रहा है। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में ऑटो स्टॉक का भाव 5.62 फीसदी या 140.05 रुपये चढ़ा है। हालांकि, बीएसई इंडेक्स पर शुक्रवार को आयशर मोटर्स का शेयर 0.79 फीसदी की गिरावट के साथ 2,631 रुपये पर बंद हुआ। वहीं, आयशर मोटर्स का मार्केट कैप 2.38 लाख करोड़ रुपये पर है। आयशर मोटर्स ने पिछले एक महीने में 8.22 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। स्टॉक ने 27 सितंबर 2021 को 2995.35 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ था। स्टॉक 07 मार्च 2022 को 2110 रुपये के 52-सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गया था। जानकार बताते हैं कि ऑटो सेक्टर के कई स्टॉक के परफॉर्मेंस पर अपना नोट्स साझा किया था। इसमें आयशर मोटर्स भी शामिल था। बता दें कि आयशर मोटर्स ट्रक, बस, मोटरसाइकिल सहित तमाम तरह के ऑटोमोबाइल्स पार्ट्स का निर्माण करता है। बुलेट की ब्रांड बन चुकी रॉयल एनफील्ड इसकी सब्सिडरी कंपनी है। कंपनी किसानों के लिए ट्रैक्टर सहित खेती के उपकरण का भी निर्माण करती है।

यूरोप के देश रूस पर आंखें तरेर रहे और चुपचाप उसका तेल भी खूब पी रहे

नई दिल्ली ।

रूसके यूक्रेन पर हमले के बाद यूरोप के देश पुतिन के खिलाफ मोर्चा खोले है इसके बावजूद हाल के हफ्तों में रूस ने तेल का निर्यात बढ़ाया है। अब सवाल ये है कि ये तेल जा कहां जा रहा है, तो आपको बता दें कि सबसे ज्यादा तेल एक %अनजान जगह% पर जा रहा है। रूसी पोर्ट्स से यूरोपियन यूनियन के सदस्य देशों के लिए जाने वाले कच्चे तेल में तेजी आई है। अप्रैल के महीने में हर रोज करीब 16 लाख बैरल कच्चा तेल जा रहा है, जो मार्च में 13 लाख बैरल प्रतिदिन हुआ करता था। इससे यह साफ हो रहा है कि पश्चिमी देशों में अभी भी रूस से कच्चे तेल की सप्लाई जारी है, लेकिन उसे ट्रैक करना मुश्किल है।

सिर्फ अप्रैल के महीने में ही अब तक करीब 1.11 करोड़ बैरल कच्चा तेल बिना किसी प्लान्ड रूट के शिप किया गया है। एक अनजान जगह पर रूसी पोर्ट से लगातार ढेर सारा कच्चा तेल सप्लाई किया जा रहा है, जो बाकी किसी भी देश से अधिक है। अगर रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले की स्थिति की बात करें तो इस अनजान जगह के नाम पर बहुत ही मामूली कच्चा तेल जाता था। वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर के मुताबिक तमाम देशों को कच्चे तेल की जरूरत है, ताकि वह अपने देश में आर्थिक गतिविधियां आराम से चला सकें। हालांकि, कंपनियां और तेल से जुड़े मिडिलमैन चाहते हैं कि यह ट्रेड चुपके-चुपके हो। एनालिस्ट और ट्रेडर्स के अनुसार अनजान जगह का मतलब है कि तेल को रूस के पोर्ट से समुद्र में शिप किया जा रहा है और फिर वहां अनलोड किया जा रहा है। इसके बाद रूसी क्रूड को शिप के कार्गो के साथ मिला दिया जाता है, जिससे ये नहीं पता चल पाता कि यह कहां से आ रहा है। ईरान और वेनेजुएला जैसे देशों की तरफ से तेल निर्यात करने की यह एक पुरानी प्रैक्टिस है। रूस की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा योगदान कच्चे तेल का है। यूक्रेन पर हमले से पहले जैसे तेल की बिक्री होती है, उसकी तुलना में अब रूस को काफी अधिक संघर्ष करना पड़ रहा है। यूएस, यूके, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने रूस के कच्चे तेल को बैन किया हुआ है। यूरोपियन यूनियन रूसी तेल पर बहुत अधिक निर्भर है और करीब 27 फीसदी तेल का आयात करता है। यूरोपियन लीडर्स इस बात पर भी विचार कर रहे हैं कि क्या रूस से व्यापार पर पूरी तरह बैन लगा दिया जाए, लेकिन अभी तक आखिरी फैसला नहीं लिया है, क्योंकि वह चाहते हैं कि उनकी अपनी अर्थव्यवस्था को नुकसान ना हो।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा)

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

- सेंसेक्स 714 अंक की गिरावट के साथ 57,197.15 पर बंद
- निफ्टी 220 अंक के नुकसान के साथ 17,171.95 पर बंद

मुंबई ।

बीते सप्ताह विदेशी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया और शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी भारी गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के जानकारों का कहना है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी जारी रहने से भी कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। बीते सप्ताह पांच कारोबारी दिनों में शेयर बाजार में सप्ताह में तीन दिन गिरावट और दो दिन बढ़त दर्ज की गई। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 1,186.18 अंक गिरकर 57,152.75 पर खुला और 1,172.19 अंक लुढ़क कर 57,166.74 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 314.95 अंक गिरकर 17,160.70 पर खुला और 300 अंक की गिरावट के साथ 17,173.65 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 293.15 अंक बढ़कर 57,459.89 पर खुला और 703.59 अंक की गिरावट के साथ 56,463.15 पर बंद हुआ। निफ्टी 102 अंक चढ़कर 17,275.65 पर खुला और 215 अंक यानी 1.25 प्रतिशत टूटकर 16,958.65 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 324.07 अंक बढ़कर 56,787.22 पर खुला और 574.35 अंक की बढ़त के साथ 57,037.50 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 94.9 अंक बढ़कर 17,053.55 पर खुला और 177.90 अंक की बढ़त के साथ 17,136.55 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 742.27 अंक बढ़कर 57,779.77 पर खुला और 874.18 अंक चढ़कर 57,911.68 पर बंद हुआ। निफ्टी 212.50 अंक चढ़कर 17,349.05 पर खुला और 256.05 अंक की बढ़त के साथ 17,392.60 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 666.85 अंक गिरकर 57,244.83 पर खुला और 714.53 अंक की गिरावट के साथ 57,197.15 पर बंद हुआ। जबे कि निफ्टी 196.55 अंक गिरकर 17,196.05 पर खुला और 220.65 अंक के नुकसान के साथ 17,171.95 पर बंद हुआ।

अडाणी ने मरीन सेवा प्रदाता कंपनी ओसियन स्पार्कल की 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई ।

अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने थर्ड-पार्टी मरीन सर्विसेज उपलब्ध कराने वाली लीडिंग भारतीय कंपनी ओसियन स्पार्कल में 100 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। एपीएसईजेड ने अपनी सब्सिडियरी अडानी हार्बर सर्विसेज के जरिए 1,530 करोड़ रुपए में यह अधिग्रहण किया है। कंपनी ने मरीन सर्विस सेग्मेंट में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की रणनीति के हिसाब से यह डील की है। यह ट्रांजैक्शन एक महीने में पूरा होने की संभावना है। एपीएसईजेड ओएसएल की 75 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 1,135।30 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी। इसके साथ ही एपीएसईजेड ओएसएल की 24।31 फीसदी हिस्सेदारी के परोक्ष अधिग्रहण के लिए 394।87 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी। यह ट्रांजैक्शन पूरा होने के साथ ही ओसीन स्पार्कल अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी हार्बर सर्विसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी बन जाएगी। एपीएसईजेड के सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक करण अडानी ने कहा ओएसएल और अडानी हार्बर सर्विसेज के तालमेल को देखते हुए कहा जा सकता है कि मार्जिन में सुधार के साथ अगले पांच साल में कॉन्सॉलिडेटेड बिजनेस डबल हो सकता है। इससे एपीएसईजेड के शेयरहोल्डर्स के लिए काफी जबरदस्त वैल्यू क्रिएट होगी। उन्होंने साथ ही कहा कि इस अधिग्रहण से कंपनी को अन्य देशों में अपनी मौजूदगी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। ओसीन स्पार्कल की शुरुआत 26 जुलाई 1995 को हुई थी। यह कंपनी पोर्ट ऑपरेशन्स और मैनेजमेंट सर्विस मुहैया कराती है। इनमें मरीन क्राफ्ट्स का टेक्निकल मैनेजमेंट भी शामिल है। भारत के अलावा ओएसएल की कारोबारी गतिवधियां श्रीलंका, सऊदी अरब, यमन, कतर और अफ्रीका में है।

चीनी मिलें नई डिस्टिलरी स्थापित करने का छह महीने में दे सकती हैं प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कहा कि उसने चीनी मिलों के लिए नई डिस्टिलरी स्थापित करने या मौजूदा संयंत्रों के विस्तार को लेकर रियायती ब्याज दर पर ऋण लेने के लिए नए प्रस्ताव देने हेतु अक्टूबर तक का समय दिया है। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण कर चुके एवं पर्यावरणीय मंजूरी ले चुके गंभीर प्रस्तावक ही छह महीने के भीतर एथेनॉल क्षमता स्थापित करने के नए प्रस्ताव रख सकते हैं। इस बारे में एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि छह महीने की यह अवधि 21 अप्रैल से 22 अक्टूबर 2022 तक रहेगी खाद्य मंत्रालय के अनुसार इस निर्णय से चीनी मिलों को नई डिस्टिलरी स्थापित करने या अपनी मौजूदा डिस्टिलरी का विस्तार करने में सुविधा होगी और इस तरह अतिरिक्त गन्ना या चीनी को एथनॉल में बदलने में मदद मिलेगी। नई अनाज-आधारित डिस्टिलरी उत्तर-पूर्वी राज्यों, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार एवं मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में लगेंगी। इससे एथनॉल के विस्तारित उत्पादन में मदद मिलेगी। सरकार ने वर्ष 2018 से चीनी मिलों एवं डिस्टिलरी को आसान कर्ज देने के लिए एक योजना लागू की हुई है जिसका उद्देश्य एथनॉल उत्पादन और इसकी आपूर्ति को एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत बढ़ाना है। इससे चीनी मिलों को किसानों का गन्ना मूल्य बकाया चुकाने में सक्षम बनाया जा सकेगा। सरकार ने वर्ष 2022 तक पेट्रोल के साथ ईंधन-ग्रेड एथनॉल मिश्रण की सीमा 10 प्रतिशत और वर्ष 2025 तक 20 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया है।

खाद्य मंत्रालय ने कहा कि वर्ष 2025 तक 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने के लिए एथनॉल उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर लगभग 1700 करोड़ लीटर करने की जरूरत है। फिलहाल देश की कुल एथनॉल उत्पादन क्षमता 849 करोड़ लीटर है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार को 17वें दिन भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। बढती महंगाई के बीच पेट्रोल-डीजल के दामों में स्थिरता आम जनता के बीच राहत की बात है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 110.85 रुपए और डीजल की कीमत 100.94 रुपए पर बरकरार है। कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमश- 115.12 रुपए प्रति लीटर और 99.83 रुपए प्रति लीटर है। यूक्रेन में चल रहे रूस के सैन्य अभियान के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 106.65 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.75 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढनी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने पिछले 30 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपए प्रति लीटर की तेजी आई है। उल्लेखनीय है कि शनिवार लगातार 17वां दिन है, जब कीमतें अपरिवर्तित रही हैं। इससे पहले एक अप्रैल को कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 603.694 अरब डॉलर पर

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 31.1 करोड़ डॉलर घटकर 603.694 अरब डॉलर हो गया है। इससे पहले आठ अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.471 अरब डॉलर घटकर 604.004 अरब डॉलर था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) घटने की वजह से हुई जो कि कुल मुद्राभंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। एफसीए 87.7 करोड़ डॉलर घटकर 536.768 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखी जाने वाली विदेशी मुद्रा संपत्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार 62.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 43.145 अरब डॉलर पहुंच गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.694 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे गए देश का मुद्रा भंडार 1.6 करोड़ डॉलर घटकर 5.086 अरब डॉलर पर आ गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

14 वर्षीय 'उन्नति' ने बैडमिंटन रचा कीर्तिमान एशियन गेम्स और उबेर कप के लिए चयनित

रोहतक । भारत की उभरती नई बैडमिंटन सितारा खिलाड़ी उन्नति हुड्डा का 14 साल की उम्र में एशियन गेम्स और उबेर कप के लिए उन्नति हुड्डा का चयन हुआ है। यह उपलब्धि प्रशंसनीय है। भारतीय बैडमिंटन संघ ने राष्ट्रमंडल, एशियन गेम्स, थॉमस कप और उबेर कप के लिए भारतीय दल के खिलाड़ियों की सूची जारी की है। दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 6 दिन तक चले ट्रायल में एशियन गेम्स के लिए चयनित होने वाली उन्नति हुड्डा सबसे कम उम्र की भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गई हैं। एशियाई खेलों और उबेर कप के लिए 10 सदस्य महिला टीम में पीवी सिंधु, आकर्षि कश्यप, उन्नति हुड्डा और अस्मिता चालिहा सिंगल मुकाबले खेलेंगे। इसके अलावा अन्य 6 खिलाड़ी डबल मुकाबले में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ ने जब खिलाड़ियों की सूची जारी की तो रोहतक के छोटूराम स्टेडियम में भी जश्न का माहौल बन गया। एक छोटे से शहर के सरकारी खेल स्टेडियम में प्रैक्टिस कर इस मुकाम को हासिल करना पूरे हरियाणावासियों के लिए गर्व की बात है। उन्नति ने महज 6 साल की उम्र से बैडमिंटन खेलना शुरू किया था और आज 14 साल की उम्र में देश की नामी खिलाड़ियों में उसकी गिनती होने लगी है। उन्नति का कहना है कि उसका लक्ष्य है कि वह देश के लिए मेडल जीत कर आए।

सात हार के बाद आठवीं जीत के लिए लखनऊ के खिलाफ आज उतरेगी मुंबई इंडियन्स

मुंबई ।

प्लेऑफ की दौड़ से बाहर दिख रही मुंबई इंडियन्स की टीम को अगर अपनी हार का सिलसिला तोड़ना है, तब उस रविवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मुंबई ने अभी तक सत्र में अपने सभी सात मैच हारे हैं। पांच बार के चैंपियन के लिये अब तक कुछ भी अनुकूल नहीं रहा है और वह अंकतालिका में अंतिम स्थान पर है। अब कोई चमत्कार ही रोहित की टीम को प्लेऑफ में पहुंचा पाएगा। दूसरी तरफ लखनऊ की टीम अच्छी लय में दिख रही है। टीम ने सात मैचों में से चार में जीत दर्ज की है लेकिन पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) से 18 रन से हार का सामना करना पड़ा था। लखनऊ ने हालांकि पहले चरण के मैच में मुंबई को 18 रन से हराया था, जिससे वह बढ़े मनोबल के साथ मैदान पर उतरेगा। मुंबई इंडियंस ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन वह इकाई के रूप में प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। मुंबई किसी एक सत्र में पहले सात मैच गंवाने वाली पहली टीम बन गई है। कप्तान रोहित शर्मा को पता नहीं चल पा रहा है कि आखिर गड़बड़ी कहां हो रही है। रोहित ने टीम के पिछले मैच के बाद कहा था, किसी पर उंगली उठाना मुश्किल है, लेकिन हम मैच में अच्छी शुरुआत नहीं कर रहे हैं। अगर आप जल्दी विकेट गंवाते हैं, तब उसका नुकसान होता है। मुंबई के लचर प्रदर्शन का एक कारण सलामी बल्लेबाज रोहित और इशान किशन की खराब फॉर्म है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दोनों खाता नहीं खोल सके थे। रोहित ने टूर्नामेंट में अब तक 114 और इशान ने 191 रन बनाए हैं। तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव ने कुछ अच्छी पारियां खेली हैं, जबकि युवा डेवाल्ड ब्रेविस ने भी कुछ मैचों में चमक बिखेरी लेकिन उनमें धैर्य की कमी लगी। मध्यक्रम के सभी बल्लेबाजों को मिलकर अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड अभी तक केवल 96 रन बनाकर टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। गेंदबाजी में मुंबई का पूरा दारोमदार जसप्रीत बुमराह पर टिका है। लेकिन बाकी गेंदबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। डेनियल सैम्स ने चेन्नई के खिलाफ चार विकेट लेकर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन जयदेव उनादकट अंतिम ओवर में 17 रन का बचाव नहीं कर सके। टायमल मिल्स, बासिल थम्पी और मुख्य स्पिनर मुरुगन अश्विन भी रनों पर अंकुश नहीं लगा सके हैं। ऑस्ट्रेलिया के रिले मेरेडिथ और ऋतिक शौकीन ने पिछले मैच में अच्छा खेल दिखाया लेकिन मुंबई को वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ की मजबूत बल्लेबाजी पर काबू पाने के लिये अतिरिक्त प्रयास करना होगा। लखनऊ की बल्लेबाजी की अगुवाई भी कप्तान केएल राहुल (265 रन) कर रहे हैं। उन्होंने 16 अप्रैल को दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले मैच 60 गेंदों पर नाबाद 103 रन की पारी खेली थी। टीम के दूसरे सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (215 रन) भी अच्छी लय में हैं। आरसीबी के खिलाफ पिछले मैच में ऋणाल पंड्या शीर्ष स्कोरर थे, लेकिन आयुष बडोनी और दीपक हुड्डा को अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की जरूरत है। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज आवेश खान और स्पिनर रवि बिश्नोई अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं.

विराट कोहली से हो रही जोस बटलर की तुलना

नई दिल्ली ।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने फिर शानदार शतक लगा दिया है। बटलर ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 116 रन की पारी खेली। अपनी पारी के दौरान उन्होंने 9 चौके और 9 छक्के लगाए। खास बात इसमें रही कि यह उनका मात्र 7 मैचों में तीसरा शतक है। इसकारण उनकी तुलना अब कोहली से हो रही है। कोहली ने साल 2016 में चार शतक लगाए थे और 16 मैचों में 973 रन जोड़े थे। पहली 7 पारियों में विराट कोहली और जोस बटलर के आंकड़े की बात करें, तब कोहली आईपीएल साल 2016 में हैदराबाद के विरुद्ध 75, दिल्ली के विरुद्ध 79, मुंबई के विरुद्ध 33 राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के विरुद्ध 80, गुजरात लायंस के विरुद्ध 100, हैदराबाद के विरुद्ध और कोलकाता के विरुद्ध 52 रन बनाएं थे। वहीं बटलर आईपीएल साल 2022 में हैदराबाद के विरुद्ध 35, मुंबई के विरुद्ध 100, बेंगलुरु 70 के विरुद्ध, लखनऊ के विरुद्ध 13, गुजरात के विरुद्ध 54, कोलकाता के विरुद्ध 103 और दिल्ली के विरुद्ध 116 बनाएं हैं। गौर हो कि जहां कोहली साल 2016 में पहले 7 मैचों में सिर्फ एक ही शतक लगा पाए थे और उन्होंने 433 रन बनाए थे। वहीं बटलर ने 3 शतक के साथ 491 रन बनाए। अब देखना यह होगा कि क्या जोस बटलर विराट के एक सीजन में सर्वाधिक शतकों और रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे।

धोनी फिनिशिंग के मास्टर, मुंबई इंडियन्स से मुकाबले में उन्होंने यह फिर कर दिखाया : प्रिटोरियस

मुंबई ।

आईपीएल 2022 में 21 अप्रैल को मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मैच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में सीएसके ने मुंबई को तीन विकेट से पराजित किया। चेन्नई को मैच जिताने में एमएस धोनी ने अहम भूमिका निभाई। बेहद उतार-चढ़ाव वाले मैच में उन्होंने अंतिम गेंद पर चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। मैच मे धोनी के साथ अंतिम ओवरों में बल्लेबाजी करने वाले ड्वेन प्रिटोरियस ने दिलचस्प खुलासा किया है। उनका कहना है कि वह जसप्रीत बुमराह के खिलाफ स्कूप शॉट खेलना चाहते थे। लेकिन धोनी ने उन्हें ऐसा करने से मना कर दिया था। डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए इस बेहद रोमांचक मैच में सीएसके को मुकाबला जीतने के लिए अंतिम ओवर में 17 रन बनाने थे। पारी का आखिरी ओवर फेंकने आए जयदेव उनादकट ने पहली गेंद पर प्रिटोरियस को आउट कर दिया। इसके बाद बैटिंग करने आए ड्वेन ब्रावो ने एक रन लेकर धोनी को स्ट्राइक दी। फिर क्या था धोनी पुराने अवतार में नजर आए। उन्होंने उनादकट की शेष चार गेंदों पर 6, 4, 2, 4 के स्कोरिंग शॉट लगाते हुए मैच फिनिश किया। ड्वेन प्रिटोरियस ने मैच के बाद कहा मैं जसप्रीत बुमराह के पहले ओवर में स्कूप शॉट खेलना चाहता था। लेकिन धोनी ने मुझसे कहा वेट, वेट, वेट। मैंने इंतजार किया। अगले ओवर में फिर मैंने कहा कि अब मैं स्कूप शॉट खेलने जा रहा हूं। उन्होंने कहा खेलिए। प्रिटोरियस के मुताबिक, धोनी फिनिशिंग के मास्टर हैं। आज की रात उन्होंने यह फिर से कर दिखाया।

राजस्थान ने 'हाईवोल्टेज ड्रामा' के बीच दिल्ली की टीम को 15 रनों से हराया

नई दिल्ली ।

दिल्ली और राजस्थान के बीच हुए मैच में राजस्थान ने 15 रनों से दिल्ली की टीम को हरा दिया लेकिन इस मैच के आखिरी ओवर के दौरान जिस तरह के दृश्य सामने आए उसे क्रिकेट की लिहाज से सही नहीं माना जा सकता है। दरअसल दिल्ली को आखिरी ओवर में 36 रनों की दरकार थी, रोवमैन पावेल बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने ओबेड मेकाय की शुरुआती तीन गेंदों पर तीन छक्के लगाए। तीसरी गेंद कमर से ऊपर की थी और अंपायर द्वारा नो बाल न देने से डगआउट में बैठे दिल्ली के कप्तान रिषभ पंत भड़क गए।

उन्होंने अपने खिलाड़ियों को मैच छोड़कर आने का इशारा कर दिया। इतना ही नहीं सपोर्टिंग स्टाफ प्रवीन आमरे बीच मैदान पर अंपायर के पास गए और इसको लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। पंत किसी भी सूरत में मानने को तैयार नहीं थे। नो बाल को लेकर केवल पंत ही सवाल नहीं खड़े कर रहे थे बल्कि उनके साथ शार्दूल ठाकुर, खलील अहमद भी डगआउट से नो बाल का इशारा कर रहे थे। इस दौरान राजस्थान के बल्लेबाज जोस बटलर और पंत के बीच नोंक-झोंक हुई लेकिन परिणाम नहीं निकला। कुछ देर बाद सहयक कोच शेन वाटसन उठकर आए और पंत को समझाने की कोशिश की, लेकिन पंत लगातार अपने

बल्लेबाजों को वापस बुलाने में लगे थे काफी बीच-बचाव के बाद मैच फिर से शुरू हुआ और बाकी तीन गेंदों पर दिल्ली की टीम केवल 2 रन बना पाई और मुकाबला 15 रनों से हार गई। इस मैच में दिल्ली की टीम के हेड कोच रिकी पोंटिंग मौजूद नहीं थे। मैच के बाद दिल्ली के कप्तान ने अंपायर के फैसले को लेकर अपनी नाराजगी जताई और कहा कि उस स्थिति में तीसरे अंपायर को मध्यस्था करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा ये वे चीजें हैं, जो उनके हाथ में नहीं थी उम्मीद है कि आगे अच्छी अंपायरिंग देखने को मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

कुमार संगकारा ने कहा ....अंपायर खेल को नियंत्रित करते

मुंबई । राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 15 रनों से हरा दिया। मैच के आखिरी ओवर में अंपायर द्वारा नो बॉल ना देने पर विवाद खड़ा हो गया। इस विवाद पर राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने कहा कि अंपायर खेल को नियंत्रित करते हैं और वह यह तय नहीं कर सकते कि क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं। संगकारा ने कहा कि मुझे लगता है, कि यह अंपायर है जो खेल को नियंत्रित करता है। आईपीएल में बहुत अधिक दबाव और तनाव होता है। चीजें किसी भी तरह से जा सकती हैं, जब आपके पास ऐसी स्थिति होती है, तब अंत में अंपायर स्थिति को नियंत्रित करते हैं और खेल चल रहा था। इसे मैं तरह देखता हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं वास्तव में यह तय कर सकता हूं कि क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं। संगकारा ने कहा कि अंत में खिलाड़ियों ही होते हैं, जिन्हें खेलना पड़ता हैं। अंपायरों के पास खेल को बुलाने के मामले में एक कठिन काम होता है। सहायक स्टाफ के रूप में हमारा काम मूल रूप से खिलाड़ियों का समर्थन कर खेल को खेलने देना है। बता दें कि मैच में 223 रन का लक्ष्य का पीछा करने आई दिल्ली की टीम को आखिरी ओवर में 36 रन चाहिए थे। रोवमैन पॉवेल ने पहली तीन गेंदों पर 3 छक्के जड़ दिए। लेकिन तीसरी गेंद पर मैच में बवाल पैदा हो गया जब अंपायर ने कमर से ऊपर जा रही गेंद को नो बॉल करार नहीं दिया। इसके बाद कप्तान ऋषभ पंत ने दोनों बल्लेबाजों को क्रीज छोड़कर वापिस ड्रेसिंग रूम में आने को कहा। लेकिन समझाने के बाद दोबारा मैच शुरू हुआ।

अपने अभद्र व्यवहार के लिए ऋषभ पंत दंड़ित, प्रवीण आमरे पर लगा एक मैच का प्रतिबंध

मुंबई । आईपीएल 2022 के रोमांच के बीच दिल्ली कैपटिल्स के कप्तान ऋषभ पंत को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान अपने अभद्र व्यवहार के लिए दंडित किया गया है। पंत को आईपीएल के नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। पंत पर मैच फीस का 100 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। यह मुकाबला शुक्रवार को वानखेड़े स्टेडियम पर खेला गया था। पंत ने अपने लेवल 2 के अपराध को स्वीकार कर लिया है। दिल्ली के कप्तान पर आर्टिकल 2.7 का दोषी पाया गया है। दिल्ली कैपिटल्स के ही शार्दुल ठाकुर पर मैच फीसदी का 50 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे पर भी मैच फीस का 100 फीसदी जुर्माना लगा है। साथ ही उन पर एक मैच का बैन भी लगाया गया है। आमरे पर आर्टिकल 2 और 2.2 का उल्लंघन का आरोप था जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। मैच का आखिरी ओवर कर रहे ओबे मैकॉय की तीसरी गेंद को अंपायर ने 'नो-बॉल' नहीं दिया था। जबकि पंत समेत दिल्ली कैपिटल्स के पूरे खेमे को लगता था कि यह नो-बॉल थी। इसके बाद पंत ने सहायक कोच प्रवीण आमरे को मैदान पर भेजा। कोच प्रवीण आमरे इशारे से 'नो-बॉल' चेक करने को कह रहे थे, इससे कुछ देर तक मैच रोकना पड़ा।

जोस बटलर बन सकते हैं आईपीएल के पहले एक हजारी, खतरे में विराट का छह साल पुराना रिकॉर्ड

मुंबई ।

एशेज के लिए जब इंग्लैंड की टीम चुनी गई तो उसमें जोस बटलर का नाम नहीं था। उस सीरीज में इंग्लैंड का क्या हाल हुआ यह बताने की जरूरत नहीं। ऑस्ट्रेलिया ने 4-1 से सीरीज जीती थी, लेकिन चार महीने बाद बटलर नए अवतार में हैं। बल्ला हल्ला बोल रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग में दनादन रन बरसा रहा है। कोई ऐसा नहीं नजर नहीं आ रहा, जो बटलर के हमले को रोक पाए।

बटलर बदल चुके हैं और हालात भी। गुलाबी जर्सी में वह सफेद गेंद पर ऐसा प्रहार कर रहे हैं कि विपक्षी कप्तानों के चेहरे की हवाइयां उड़ने लगी हैं। शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने शानदार शतक लगाया। इस सीजन में तीसरा। सात मुकाबलों में बटलर 491 रन बना चुके हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 81.83 का है। और अब ऐसा लग रहा है कि विराट कोहली का छह साल पुराना रिकॉर्ड खतरे में है। कोहली ने उस साल 973 रन बनाए थे। तब से बल्लेबाजों के लिए इसे लांघना तो दूर इसके करीब तक पहुंच पाना सपना लग रहा है। कोई भी खिलाड़ी इसके आसपास नहीं पहुंचा है। लेकिन इस बार बटलर से उम्मीदें वाबस्ता हैं। बटलर के पास अभी कम से कम सात मैच और हैं और जिस लय और फॉर्म में वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, उसे देखकर कह सकते हैं कि कोहली का रिकॉर्ड खतरे में है। राजस्थान रॉयल्स की टीम कुछ और मैच और जीत जाती है तो वह प्लेऑफ में भी पहुंच सकती हैं और फिर बटलर के पास एक-दो मौके और हो सकते हैं। बटलर को 482 रन और चाहिए कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए। और बटलर एक सेंचुरी और लगा देते हैं तो एक सीजन में चार शतक लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। राजस्थान की टीम तो यही चाहेगी कि बटलर यूं ही रन बरसाते रहें।

बटलर का फॉर्म टीम को जबर्दस्त शुरुआत दे रहा है। राजस्थान एकमात्र ऐसी टीम है जिसने अभी तक के सभी मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए जीते हैं। ऐसे में जहां ज्यादातर टीमें रनों का पीछा करना चाहती हैं रॉयल्स दूसरी ही तरह से काम कर रही है। और इससे विपक्षी टीम की रणनीति भी बिगड़ सकती है।

डीसी बनाम आरआर - युजी चहल और कुलदीप की मामूली झड़प बनी चर्चा का विषय

मुंबई । मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में राजस्थान और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले गए मैच में कई घटनाएं ऐसी हुई जिसे क्रिकेट प्रशंसक लंबे समय तक समरण रखेंगे। मैच में पहले खेलते हुए राजस्थान के जोस बटलर ने शतक लगाया था जोकि उनका सीजन का तीसरा शतक है। इसके बाद दिल्ली जब लक्ष्य का पीछा कर रही थी तो आखिरी ओवर में रिषभ पंत ने एक गेंद को नो न देने पर गुस्सा दिखाया। पंत ने तो अपने बल्लेबाजों को वापस आने के लिए बोल दिया था। इस दौरान क्रीज पर बतौर बल्लेबाज मौजूद कुलदीप यादव की राजस्थान के स्पिनर युजी चहल के साथ मामूली झड़प भी चर्चा का विषय बनी रही। अक्सर अपने चुटीले अंदाज के कारण सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय रहते युजी भी 20वें ओवर में थोड़ा गुस्से में देखे गए थे। पंत के दोनों बल्लेबाजों (पॉवेल और कुलदीप) को बाहर बुलाने का इशारा देने पर युजी ही एकमात्र क्रिकेटर थे जोकि दिल्ली के दोनों बल्लेबाजों के पास खड़े होकर उन्हें ऐसा न करने की ताकीद करते दिखे। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में दिखता है कि पंत के ईशारे पर जब कुलदीप पवेलियन की ओर चल पड़ते हैं तो उन्हें युजी चहल रास्ते में रोक लेते हैं। वह उन्हें रोककर मजाक में थप्पड़ मारते भी दिखते हैं। मैच के बाद रिषभ पंत ने कहा कि मैंने सोचा था कि नो बॉल हमारे लिए कीमती हो सकती थी लेकिन यह मेरे बस में नहीं थी। हां, निराश हूं लेकिन इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं कर सकता। हर कोई निराश था (डगआऊट में)। मैदान में सभी ने देखा। मुझे लगता है कि तीसरे अंपायर को हस्तक्षेप करना चाहिए था और इसे नो-बॉल करार देना चाहिए था। पंत ने आगे कहा कि जाहिर तौर पर यह सही नहीं था (आमरे को मैदान पर भेजना) लेकिन हमारे साथ जो हुआ वह भी सही नहीं है। यह उस समय गहमा-गहमी के कारण हुआ। यह दोनों पक्षों की गलती थी और यह निराशाजनक है।

खिलाड़ियों के लिए ओपन जिम खोल रही उत्तर प्रदेश सरकार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए 100 ग्राम पंचायतों में खेल मैदानों को विकसित करने और ओपन जिम खुलवाने की बड़ी तैयारी में लगी है। इससे खिलाड़ियों के पास अपनी फिटनेस का ध्यान रखने का भी अवसर मिलेगा। सरकार 'खूब-खेलो-खूब बढ़ो' मिशन को साकार करने में जुटी है। इसमें राज्य सरकार का ध्यान गांव से निकलने वाले खिलाड़ियों पर सबसे अधिक रहेगा। पूरी दुनिया में देश का नाम रोशन करने वाले ये खिलाड़ी सुविधाओं से दूर न रहें इसके लिए कई योजनाएं भी बनी हैं। युवा कल्याण विभाग मनरेगा योजना से ग्राम पंचायत स्तर पर गांव-गांव तक खेलों के मैदान और ओपन जिम की व्यवस्था करने में लगा है जबकि दूसरी ओर सरकार खेल प्रतिभाओं को निखारने और प्रदेश के अंदर खेल प्रतिस्पर्धा को तेज करने के भी प्रयास कर रही है। सरकार का लक्ष्य राज्य को अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करना है। प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिये बेहतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण देने वाले विशेषज्ञ कोच नियुक्त किये गये हैं। छात्रावासों में खिलाड़ियों की सहूलियत बढ़ाने के साथ-साथ नए स्टेडियमों का निर्माण भी तेजी से कराया जा रहा है।

शेन वॉटसन बोले- खिलाड़ियों को अंपायरों का फैसला मानना चाहिए था

मुंबई।

आईपीएल 2022 में चल रही स्पर्धाओं में कई पल ऐसे होते है जब आवेष और क्रोध चरम पर पहुंच जाता है। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच शेन वॉटसन ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच के आखिरी ओवर में जो कुछ हुआ टीम उसका समर्थन नहीं करती तथा खिलाड़ियों को अंपायरों का फैसला मानना चाहिए था और किसी का मैदान में जाना पूरी तरह 'अस्वीकार्य' है। राजस्थान रॉयल्स की शुक्रवार को दिल्ली पर 15 रन की जीत के दौरान तब यह घटना घटी जब अंतिम ओवर में ओबेद मैकॉय की तीसरी गेंद पर रोवमैन पॉवेल ने छक्का जड़ा। यह फुलटॉस थी जिसे दिल्ली की टीम नोबॉल देने की मांग कर रही थी। ऐसे में नॉन स्ट्राइकर छोर पर खड़े कुलदीप यादव ने अंपायर की तरफ इशारा करके आखिरी गेंद का रीप्ले देखने के लिए कहा क्योंकि वह कमर से ऊपर होने पर नोबॉल हो सकती थी। पॉवेल भी अंपायरों से बात करने लग गए लेकिन मैदानी अंपायरों ने कहा कि गेंद वैध थी।

कप्तान ऋषभ पंत ने इसके बाद पॉवेल और कुलदीप से वापस लौटने के लिए कहा। इस बीच दिल्ली सहायक कोच प्रवीण आमरे मैदान पर चले गए। वॉटसन ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'देखिए, उस आखिरी ओवर में जो हुआ वह बहुत निराशाजनक था। दिल्ली कैपिटल्स अंतिम ओवर में जो कुछ हुआ उसका समर्थन नहीं करता है।' उन्होंने कहा, 'अंपायर का फैसला, चाहे वह सही हो या गलत, हमें स्वीकार करना होगा। किसी का मैदान पर चले जाना, यह स्वीकार्य नहीं है। यह कुल मिलाकर अच्छा नहीं हुआ।' दिल्ली कैपिटल्स को अंतिम ओवर में 36 रन चाहिए थे। पॉवेल ने मैकॉय की पहली तीन गेंदों पर छक्के जड़ दिये थे। इस तरह से दिल्ली को अंतिम तीन गेंदों पर 18 रन चाहिए थे, लेकिन 15 मिनट की देरी से उनकी लय गड़बड़ा गयी और अगली तीन गेंदों पर केवल दो रन बने। वॉटसन से पूछा गया कि क्या देरी के कारण लय गड़बड़ाई, उन्होंने कहा, 'जिस तरह से खेल का समापन हुआ उसे देखकर ऐसा लगता है। जब भी खेल में रुकावट आती है तो लय बिगड़ सकती है। इससे ओबेद मैकॉय को अपनी लय हासिल करने का मौका मिला। आखिर में वह रुकावट राजस्थान के लिए अच्छी साबित हुई। यह दुर्भाग्यपूर्ण रुकावट थी।' पंत गुस्से में दिखे। उन्होंने कुलदीप और पॉवेल को वापस बुला लिया, इस बीच वॉटसन उन्हें समझाने की कोशिश करते दिखे। इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने कहा कि इस तरह की परिस्थितियों में खेल को जारी रखना चाहिए और अंपायर की बात सुननी चाहिए।

बिना नाम लिए अमित मिश्रा ने दिया इरफान पठान के ट्वीट का जवाब, यूजर्स ने भी दिए रिएक्शन

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव रहते हैं। वह अकसर क्रिकेट से जुड़ी बातों को तो ट्वीट करते ही हैं, कई बार अन्य मामलों पर भी अपनी खुलकर राय रखते हैं। उन्होंने एक अधूरा ट्वीट शुक्रवार सुबह किया। इसमें उन्होंने अपने देश को खूबसूरत बताया, साथ ही यूजर्स को इसे पूरा करने का टास्क दिया। उन्होंने ट्वीट के आखिर में 'लेकिन' लिखा था। लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने इसे पूरा किया लेकिन न इरफान को टैग किया और न उनके नाम कि कही जिक्र किया। अमित मिश्रा के ट्वीट को इरफान पठान के अधूरे ट्वीट से ही जोड़कर देखा जा रहा है। इरफान ने ट्वीट करते हुए लिखा था, 'मेरा देश, मेरा खूबसूरत देश, इसके पास दुनिया का महानतम देश बनने की काबिलियत है लेकिनज' पठान ने इस तरह अपनी बात को अधूरा छोड़ दिया। अब मिश्रा ने एक ट्वीट किया, जिसकी शुरुआती लाइनें इरफान पठान के ट्वीट से मिलती हैं। अमित मिश्रा ने हालांकि किसी का नाम नहीं लिया। इरफान पठान ने शुक्रवार 22 अप्रैल को सुबह 5.22 मिनट पर यह ट्वीट किया। मिश्रा ने दोपहर 12 बजकर 38 मिनट पर अपना ट्वीट किया। मिश्रा ने लिखा, 'मेरा देश, मेरा खूबसूरत देश, इसके पास दुनिया का सबसे खूबसूरत देश बनने की काबिलियत हैज यदि सिर्फ कुछ लोग यह समझ जाएं कि हमारा संविधान वह पहली किताब है जिस पर अमल किया जाना चाहिए।' अब मिश्रा के ट्वीट पर लोग रिप्लाई कर रहे हैं। कई ने तो इरफान पठान को टैग तक कर दिया। कई यूजर्स ने पूछा भी कि अमित मिश्रा ने क्या यह इरफान पठान को जवाब दिया है। इतना ही नहीं, एक यूजर ने लिखा कि, इरफान जब तक आप जैसे लोग हैं तब तक भारत सबसे महान देश नहीं बन पाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

105 कमरों वाला शापित होटल रयुगयोंग

वैसे तो उत्तर कोरिया अपने अजीबोगरीब कानूनों और मिसाइलों के परीक्षण के वजह से पूरी दुनिया में मशहूर है। लेकिन इसके साथ ही यहां ऐसी कई चीजें हैं, जो लोगों को हैरान करती हैं। इन्हीं में से एक है पिरामिड जैसे आकार और नुकीले सिरे वाली एक गगनचुंबी इमारत, जो एक होटल है। इस होटल का आधिकारिक नाम रयुगयोंग है, लेकिन इसे यू-क्यूंग के नाम से भी जाना जाता है।

उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयोंग में 330 मीटर ऊंचे इस होटल में कुल 105 कमरे हैं। लेकिन आज तक कोई भी व्यक्ति यहां ठहरा नहीं है। बाहर से बेहद ही शानदार, लेकिन वीरान से दिखने वाले इस होटल को 'शापित होटल' या 'भुतहा होटल' के नाम से जाना जाता है। इस होटल को '105 बिल्डिंग' के नाम से भी जाना जाता है। कुछ साल पहले अमेरिकी मैगजीन ईस्क्वाइयर ने इस होटल को 'मानव इतिहास की सबसे खराब इमारत' करार दिया था। इस होटल के निर्माण में बहुत पैसे खर्च हुए हैं। जापानी मीडिया के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने इसके निर्माण पर कुल 750 मिलियन डॉलर यानी करीब 55 अरब रुपये खर्च किए थे। यह रकम उस समय उत्तर कोरिया की जीडीपी की दो फीसदी थी। लेकिन फिर भी आज तक यह होटल शुरू नहीं हो पाया। वैसे तो इस होटल को दुनिया के सबसे ऊंचे होटल के रूप में बनाया जा रहा था, लेकिन अब इसकी एक अलग ही पहचान बन गई है। दुनिया इस होटल को अब 'धरती की सबसे ऊंची वीरान इमारत' के तौर पर जानने लगी है। इस खासियत की वजह से इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। कहते हैं कि अगर यह होटल तय समय पर पूरी तरह से बन गया होता, तो यह दुनिया की सातवीं सबसे ऊंची इमारत और सबसे ऊंचे होटल के तौर पर जाना जाता है। इस इमारत का निर्माण कार्य साल 1987 में शुरू हुआ था। बीबीसी के मुताबिक, तब यह उम्मीद जताई गई थी कि यह होटल दो साल में बनकर तैयार हो जाएगा। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। कभी इसे बनाने के तरीके के साथ दिक्कत हुई, तो कभी निर्माण सामग्री के साथ समस्या आ गई। इसके बाद साल 1992 में आखिरकार इस होटल के निर्माण कार्य को रोकना पड़ा। क्योंकि उस समय उत्तर कोरिया आर्थिक रूप से काफी कमजोर हो गया था।

हालांकि, साल 2008 में इसे बनाने का काम फिर से शुरू हुआ। पहले तो इस विशालकाय होटल को व्यवस्थित करने में ही करीब 11 अरब रुपये खर्च हो गए। इसके बाद फिर निर्माण कार्य शुरू हुआ। पूरी इमारत में शीशे के पैनल लगाए गए और बाकी के छोटे-मोटे काम कराए गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 2012 में उत्तर कोरिया के प्रशासन ने ये एलान किया था कि होटल का काम 2012 तक पूरा हो जाएगा, लेकिन यह हो नहीं पाया। इसके बाद भी कई बार उम्मीदें लगाई गईं कि होटल इस साल शुरू होगा, उस साल शुरू होगा, लेकिन हकीकत तो यही है कि आज तक यह होटल खुल नहीं पाया है। कहते हैं कि अभी भी इस होटल का काम आधा-अधूरा ही है।

वैसे तो हम सब आईलैंड का नाम सुनते ही सोच लेते है कि वहां जाना रोमांच से भरा होगा। विश्व में कई ऐसे आईलैंड भी मौजूद है, जहां साल भर लोगों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन दुनिया में एक आइलैंड ऐसा भी है जहां सिर्फ सांपों का बसेरा है, यहां इंसानों का आना-जाना मना है। इस आइलैंड का नाम स्नेक आईलैंड है, जिसे इल्हा दा क्यूइमादा ग्राडें भी कहा जाता है। वैसे तो ब्राजील का यह आइलैंड बहुत खूबसूरत है, लेकिन यह सिर्फ 43 हेक्टेयर का एक छोटा आकार का द्वीप है। द्वीप में हरीभरी चट्टानें बड़ी तदाद में मौजूद है जो इसकी खूबसूरती को और बढ़ाता है। आइए जानें क्या है इस आईलैंड में खास

स्नेक आईलैंड - इल्हा दा क्यूइमादा ग्राडें

यहां इंसानों का आना-जाना मना है

इस आइलैंड की खास बात यह है कि यहां पाए जाने वाले सांप विश्व में कहीं नहीं पाए जाते। दुनिया के सबसे जहरीले सांपों का बसेरा भी इसी आइलैंड पर है। ऐसा कहा जाता है कि इस आइलैंड से इंसान का जिंदा लौटकर वापस जाना लगभग नामुमकिन है। बता दें कि आइलैंड पर ब्राजीलियाई नौसेना को जाने की अनुमति दी गई हैं। दरअसल, सांप की बढ़ती संख्या को देखते हुए यहां लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध हैं। जानकारों की माने तो स्नेक आइलैंड पर वाइपर, गोल्डन लांसहेड जैसे खतरनाक प्रजाति वाले सांप भी मिलते हैं। वाइपर सांप उड़ने में सक्षम होते हैं, इसलिए इन्हें खतरनाक माना गया है। कहा जाता है कि इन सांपों का जहर इतना खतरनाक है, जो इंसान का मांस तक गाला सकता है, इस बात से आप यह अनुमान लगा सकते है की यहां मौजूद सांप कितने खतरनाक है। यहां अलग- अलग प्रजाति के 4 लाख से भी ज्यादा सांप रहते है। यहां पाए जाने वाले सांप बेहद दुर्लभ है। इनकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपए तक हैं। इस कारण कई तस्कर यहां आकर अवैध रुप से सांपों को पकड़ते है और उन्हें अंतराष्ट्रीय बाजार में बेच देते है।

सांपों वाले इस द्वीप का राज

जब समुद्र का जल स्तर भूमि से ढकनें लगा था, तब सांप इस द्वीप पर फंस गए थे, यह द्वीप ब्राजील से जुड़ा हुआ था। वहां के मौजूदा प्राकृतिक स्थिति में सांप ढल गए और धीरे-धीरे सांपों की संख्या बढ़ती चली गई, और फिर लोगों के लिए यहां रह पाना मुश्किल हो गया,तब से ही इसे स्नेक आइलैंड कहा जाने लगा।

कौन सा सांप है IUCN की रेड लिस्ट में शामिल

स्नेक आईलैंड में रहने वाले सांप की एक प्रजाति जिसें गोल्डन लांसहेड कहा जाता है, वह IUCN (प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ) की रेड लिस्ट में शामिल है। बता दें इस सांप की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 18 लाख रुपए तक है।

आइलैंड का महत्व

इस आइलैंड में सांपों के बसे होने के कारण यहां इंसान घुसपैठ नहीं कर सकते, इसलिए यह आइलैंड़ जनवरों के लिए सुरक्षित है। इसके साथ ही प्रकृति की संरचना के लिए भी यह आइलैंड बहुत महत्वपूर्ण है।

क्या होती है IUCN की रेड लिस्ट

IUCN एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जो प्रकृति के संरक्षण के लिए काम करती है। IUCN की रेड लिस्ट में जिन जानवरों को रखा गया,उनकी संख्या पूरे दुनिया में बहुत कम है,और अगर इसी तरह से उनकी संख्या कम होती गई, तो एक दिन वो लुप्त हो जाएंगे। जैसे डायनासोर अब पृथ्वी पर नहीं रहे।

इस कुएं को कहा जाता है नरक का द्वार, आजतक कोई नहीं जान पाया इसका रहस्य

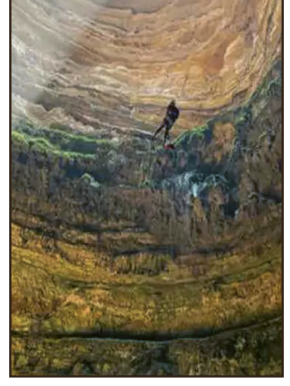

हमारी पृथ्वी पर ऐसी तमाम चीजें हैं जिनके रहस्य को आजतक कोई नहीं जान पाया.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे नरक का द्वार कहा जाता है.दुनियाभर के वैज्ञानिकों के लिए ये कुआं आज भी रहस्य बना हुआ है क्योंकि इसके बारे में किसी को ज्यादा जानकारी नहीं है.

नरक का द्वार कहा जाने वाला ये कुआं यमन के बरहूत में स्थित है.इसे नरक का रास्ता भी कहा जाता है.इस जगह को दुनियाभर में इसी नाम से जाना जाता हैतमाम लोगों का कहना है कि इस रहस्यमयी गड्ढे के अंदर पहले शैतानों को कैद किया जाता था.वहीं कुछ लोग ये भी मानते हैं कि इस कुएं के अंदर आज भी भूत रहते हैं.इन सब के बावजूद वैज्ञानिकों की एक टीम ने इसके अंदर प्रवेश किया है.

बता दें कि ये स्थान यमन के एक रेगिस्तान के बीच में स्थित है.इस जगह पर एक बहुत बड़ा कुआं है.लंबे समय से ये कुआं रहस्यमयी बना हुआ था.हाल ही में इस कुएं के भीतर ओमान के 8 लोगों की एक टीम ने प्रवेश किया. इसके भीतर प्रवेश करने के बाद उन्होंने ये जानने की कोशिश की कि वास्तविकता में इस कुएं के अंदर क्या है? लंबे समय से यहां के स्थानीय लोग इस बात को कहते आ रहे थे कि इस जगह पर जिन और भूत रहते हैं.गौरतलब बात है कि स्थानीय लोगों के अंदर इस जगह को लेकर इतना डर है कि वो इसके बारे में बात करने से भी डरते हैं.

संबंधित कहानियां

जब वैज्ञानिकों की टीम ने कुएं के अंदर प्रवेश किया तो उनको किसी भी प्रकार का जिन और भूत उसमें देखने को नहीं मिला.हालांकि कुएं के अंदर सांप और गुफाओं वाले मोती जरूर मिले.बता दें कि ये गड्ढा करीब 30 मीटर चौड़ा है और इसकी गहराई 100-250 मीटर तक है. ओमान केव एक्सप्लोरेशन की टीम ने इसके अंदर प्रवेश करने के बाद उसे अच्छे से एक्सप्लोर किया.

ओमान की जर्मन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर मोहम्मद अल किंदी बताते हैं कि गुफा के भीतर कई सांप थे, पर उन्होंने किसी पर हमला नहीं किया.गुफा की दीवारों पर कई बनावट भी दिखीं थीं.वैज्ञानिकों का कहना है कि ये गड्ढा लाखों साल पुराना है.इसमें काफी रिसर्च की जरूरत है.हालांकि गड्ढे के एकदम नीचे रोशनी नहीं पहुंचती है.जिसके चलते वहां गहरा अंधेरा है.

गुलाब जामुन का पेड़

गरमी की छुट्टियां होते ही अंशज अपने ननिहाल बीकानेर आ गया। पिछली बार जब वह आया था, तब छोटा था और इस बार कुछ बड़ा और समझदार हो गया है। छोटा था, तब उसे हर काम कहना पड़ता था। अब कुछ जरूरी काम वह बिना कहे ही करने लगा है। ननिहाल में पहुंचते ही उसने नाना-नानी के पैर छुए। मम्मी हंसकर बोलीं, अब तुम सचमुच बड़े हो गए हो।

अंशज को भूख लग गई थी। वह सोचने लगा कि उसे क्या कहना चाहिए और किसे कहना चाहिए। बड़े जो होते हैं, वे भूख लगी है ऐसे सीधे-सीधे कभी किसी से कहते नहीं हैं।

अंशज ने अपनी मम्मी से पूछा, मम्मी, मैं बड़ा हूं या छोटा?

मम्मी ने कहा, क्यों? ऐसे क्यों पूछ रहा है?

अंशज ने अपनी मम्मी के कान में धीरे से बोला, मुझे भूख लगी है और मैं छोटा हूं। बड़े तो ऐसा बोलते नहीं ना कि भूख लगी है।

मम्मी हंसने लगीं और बोलीं, चल, मैं तुझे खाने को कुछ देती हूं। अंशज को उसकी मम्मी प्यार से अंशी कहती थीं।

नाना और नानी को अंशी की बात जब उसकी मम्मी ने बताई, तो वे भी हंसने लगे। नानाजी हाथ में मिठाई का डिब्बा लाए और बोले, ले अंशी, तेरे लिए। अंशज ने जैसे ही नानाजी के हाथ में रसगुल्लों का डिब्बा देखा, तो उछल पड़ा। अरे नानाजी, रसगुल्ले। मैं सारे खा जाऊंगा। वैसे तो मुझे गुलाब जामुन बहुत पसंद हैं। आज रसगुल्ले ही ठीक हैं। अंशज डिब्बा नानाजी के हाथ से लेने लगा, तो मम्मी ने उसे टोका, नहीं अंशी, ऐसे तुम कपड़े गंदे कर लोगे। मैं तुम्हें खिलाती हूं। अंशज तो यही चाहता था। उसकी तो नानाजी के घर आते ही मौज लग गई। अंशज ने बड़े-बड़े तीन रसगुल्ले खाए। वह तो चार भी खा सकता था, पर मम्मी ने बीच में ही कह दिया, अभी बस इतने ही, बाकी बाद में। ये कहीं भागे नहीं जा रहे हैं।

नानीजी बोलीं, बीकानेर के तो रसगुल्ले और भुजिया नमकीन बहुत प्रसिद्ध हैं।

अंशज तुरंत बोला, देखो नानीजी, मैं छोटा हूं और कह सकता हूं, रसगुल्ले तो खा लिए, पर भुजिया-नमकीन कहां हैं?

नानीजी ने कहा, अरे भुजिया और नमकीन सब मिलेगा। मैं तुम्हारे मामा से कह दूंगी वह तुम्हारे लिए गुलाब जामुन भी ले आएगा। अब तो खुश हो?

अंशज ने भुजिया और नमकीन का भी आनंद लिया। शाम को घर लौटते हुए उसके मामा गुलाब जामुन लाना नहीं भूले।

मामाजी से अंशज ने पहला सवाल किया, मामाजी, आप गुलाब जामुन कहां से लाए?

मामाजी ने मुसकराते हुए कहा, अरे, तुम्हें नहीं पता? मेरे ऑफिस में गुलाब जामुन का पेड़ है। जितने चाहे तोड़कर घर ले आओ। मेरे साहब बहुत अच्छे हैं। उन्होंने तो यहां तक बोला है कि तुम अपने भांजे के लिए गुलाब जामुन के बीज ले जाना और उसके घर लगवा देना।

सच! पर उन्हें कैसे पता चला कि मुझे गुलाब जामुन पसंद हैं?

जब तुम्हारी नानी मुझे गुलाब जामुन लाने के लिए कह रही थीं, तब इतने जोर से बोल रही थीं कि मेरे पास बैठे साहब ने भी सुन लिया था। अब बीच में मम्मी बोलीं, अच्छा है ना, वह तुम्हारे लिए गुलाब जामुन के बीज देंगे, फिर तुम भी गुलाब जामुन का पेड़ लगा लेना। हां मम्मी, कितना अच्छा होगा। फिर जब मेरी इच्छा होगी तब फटाक से गुलाब जामुन तोड़ा और मुंह में। कितना मजा आएगा। मामाजी बोले, वह मजा तो जब आएगा, तब आएगा, अभी तो मजा लो। यह लो खाओ गुलाब जामुन।

अगले दिन नानाजी ने अंशज को बताया कि कल सब उसके साथ मजाक कर रहे थे। असल में गुलाब जामुन का कोई पेड़ होता ही नहीं। हां, गुलाब का पौधा और जामुन का पेड़ जरूर लगाया जाता है।

अंशज ने नानाजी से कहा, नानाजी, फिर तो हो गया काम। हम गुलाब का पौधा और जामुन का पेड़ एक साथ लगा देंगे, फिर तो गुलाब जामुन हो जाएंगे ना?

नानाजी हंसने लगे और अपनी गरदन हिलाकर कहा, नहीं-नहीं। अंशज बोला, कोई बात नहीं नानाजी! और सुन रही हो नानीजी, मैं जब पूरी तरह बड़ा हो जाऊंगा, तब गुलाब जामुन के पेड़ का आविष्कार करूंगा।

अंशज की मम्मी बोलीं, हां, यह हुई ना बात। तुम अभी से इसके बारे में सोचने लग जाओ। सोचना यह है कि क्या हो सकता है और क्या नहीं हो सकता है।

नानाजी हंसते हुए बोले, दुनिया में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो नहीं हो सकता है। सब कुछ हो सकता है। नानीजी कहां चुप रहने वाली थीं, वह भी बोलीं, जरूर हो सकता है बेटा, असंभव भी संभव हो सकता है। मेरा अंशज जरूर आसमान से तारे तोड़कर लाएगा। अंशज ने बस इतना कहा, देखना, मैं हर असंभव को संभव करूंगा। मुझे बस पूरा बड़ा होने दो।

सार समाचार

ड्रैगन पर बरस रहा कोरोना का कहर ! बीजिंग के स्कूल में 10 छात्र संक्रमित, कक्षाएं हुई स्थगित

बीजिंग। चीन के वुहान शहर से फैले कोरोना वायरस संक्रमण से सबसे ज्यादा 'ड्रैगन' परेशान दिखाई दे रहा है। इन दिनों चीन के सबसे बड़े शहर शंघाई के हालात तो खराब हैं ही ऊपर से राजधानी बीजिंग से भी संक्रमण की खबरें सामने आ रही हैं। आपको बता दें कि बीजिंग में मध्य विद्यालय के 10 छात्र कोरोना का शिकार हो गए। जिसके बाद शहर में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

कक्षाओं को किया गया स्थगित

आपको बता दें कि मध्य विद्यालय के 10 छात्रों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद अधिकारियों ने एक सप्ताह के लिए कक्षाओं को स्थगित करने का निर्णय लिया। इसके अलावा प्रशासन कोरोना के मामलों को लेकर सख्त हो गया है और इसी के साथ ही टेस्टिंग को बढ़ाने की योजना बनाई है।

बढ़ाई जाएगी टेस्टिंग !

प्राप्त जानकारी के मुताबिक बीजिंग के चाओयांग जिले में प्रशासन ने स्कूल की गतिविधियों और कक्षाओं को स्थगित करने का आदेश दिया है। प्रशासन अब कोरोना के अन्य मामलों का पता लगाने के लिए ज्यादा संख्या में टेस्टिंग करने वाली है। कुछ वक्त पहले सोशल मीडिया पर शंघाई के वीडियो सामने आए थे। जिसमें स्थानीय लोगों को सख्त लॉकडाउन के चलते काफी समस्या का सामना करते हुए देखा जा सकता था। सामने आए वीडियो के मुताबिक, स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों को इसके अंजाम भुगतने तक की चेतावनी दी थी। दरअसल, शंघाई में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। जिसको लेकर प्रशासन कोविड जीरो नीति के तहत काम कर रही है। इसके अलावा बीजिंग में शुक्रवार को कोरोना संक्रमण के 4 मामले भी सामने आए, जिन्हें अलग से गिना गया था। जबकि चीन में शनिवार को संक्रमण के 24,326 नए मामले सामने आए जो स्थानीय स्तर पर हुए संक्रमण के हैं। इनमें अधिकतर मामले ऐसे हैं, जिनमें मरीजों में रोग के लक्षण नहीं हैं। अधिकांश मामले शंघाई से हैं।

अमेरिका ने रूस को साजो-सामान से सहयोग करने के खिलाफ चीन को आगाह किया

ब्रसेल्स । अमेरिका की एक वरिष्ठ अधिकारी ने चीन को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन में बिना उकसावे वाले युद्ध में साजोसामान संबंधी सहयोग देने के खिलाफ आगाह किया है। उन्होंने कहा मॉस्को के खिलाफ प्रतिबंधों से बीजिंग को यह अंदाजा हो गया होगा कि अमेरिका क्या कर सकता है। उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन ने ब्रसेल्स में चीन पर यूरोपीय संघ-अमेरिका वार्ता की तीसरी बैठक के बाद यह चेतावनी दी। उन्होंने कहा पुतिन द्वारा यूक्रेन के खिलाफ बिना उकसावे के युद्ध छेड़ने से तीन सप्ताह पहले उन्होंने और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ऐलान किया था कि चीन और रूस के बीच साझेदारी असीमित है। उन्होंने कहा तब से हमने चीन को रूस के लिए अपने समर्थन का संकेत देते हुए देखा है। शर्मन ने कहा उन्होंने (चीन) रूस के युद्ध अपराधों की निंदा नहीं की और मानवाधिकार परिषद से रूस को निष्कासित करने के प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। उन्होंने कहा चीन ने रूस की सैन्य कार्रवाई और यूक्रेन के आत्मरक्षा के कदमों के बीच बार-बार झूठी समानताएं की हैं। अमेरिकी अधिकारी ने चीन की सरकारी मीडिया पर क्रेमलिन की गलत सूचनाओं को दोहराने का आरोप लगाया, जिसमें वे बेतुके दावे शामिल हैं कि नाटो और यूक्रेन, रूस के लिए खतरा पैदा करते हैं। शर्मन ने कहा चीन पहले से ही ऐसी चीजें कर रहा है जिससे इस स्थिति में मदद नहीं मिलती है। यह पूछे जाने पर कि अगर चीन रूस को साजोसामान संबंधी सहयोग देता है तो अमेरिका क्या कर सकता है, इस पर शर्मन ने कहा हम बहुत स्पष्ट रहे हैं कि हमने प्रतिबंधों, निर्यात नियंत्रण के लिहाज से जो किया है, वह उन्होंने देखा है तो इससे उन्हें अंदाजा हो गया होगा कि अगर चीन साजोसामान से मदद करता है तो हम क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका, चीन के साथ तनाव बढ़ाने से बच रहा है। उन्होंने कहा हम एक और शीत युद्ध शुरू नहीं करना चाहते, हम संघर्ष नहीं चाहते, हम गलत अनुमान नहीं चाहते। हम संवाद के माध्यम चाहते हैं। शर्मन ने चीन के मानवाधिकार रिकॉर्ड, उसकी आर्थिक धमकियों और व्यापार संबंधी गुप्त सूचनाएं तथा बौद्धिक संपदा चुराने समेत आर्थिक बेईमानी की निंदा की।

कोरोना संक्रमण के मामलों में वृद्धि में मद्देनजर अमेरिका के कॉलेजों में मास्क लगाना फिर से अनिवार्य

वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि होने के साथ ही विश्वविद्यालयों में मास्क लगाने की अनिवार्यता के नियम को फिर से लागू कर दिया गया है। वाशिंगटन, न्यूयॉर्क, पेंसिल्वेनिया, मैसाच्युसेट्स, कनेक्टिकट और टेक्सास के कॉलेजों में संक्रमण से बचने के लिए पाबंदियां फिर से लागू कर दी गई हैं और राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमण के मामलों में वृद्धि को देखते हुए हॉवर्ड विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई जारी रखने के निर्णय लिया है। यह लगातार तीसरा शैक्षणिक वर्ष है जब कोविड-19 के कारण पठन-पाठन प्रभावित हुआ है।

यूरोप में पिछली गर्मियों में अभी तक का सबसे गर्म मौसम रहा :रिपोर्ट

बर्लिन। वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछली गर्मियों में यूरोप का अभी तक का सबसे गर्म मौसम रहा और तापमान पिछले तीन दशकों के औसत तापमान से पूरा एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया। यूरोपीय संघ के कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस द्वारा शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2021 का वसंत औसत से ज्यादा ठंडा था, लेकिन गर्मी के महीनों में भीषण गर्मी रही और अगस्त, 2021 में सिसिली में अधिकतम तापमान 48.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। ज्यादा दिनों तक पारा चढ़े रहने के कारण कई जगहों पर जंगलों में आग भी लगी और साइबेरिया, यूनान और तुर्की में जंगल में लगी आग ज्यादा तेजी से फैली।

ईरान में रिवोल्यूशनरी गार्ड के जनरल के वाहन पर हमला, सुरक्षाकर्मी की मौत

तेहरान । ईरान के अर्धसैनिक बल रेवोल्यूशनरी गार्ड के जनरल को लेकर जा रहे एक वाहन पर हथियारबंद बदमाशों ने शनिवार सुबह गोलियां बरसाईं। इस घटना में उनके एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई है। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी है। खबर में बताया गया है कि बलूचिस्तान प्रांत के जहेदान शहर में घात लगाकर किए गए हमले में जनरल हुसैन अल्मासी बच गए हैं, उन्हें कोई चोट नहीं आयी है। मृतक सुरक्षाकर्मी की पहचान महमूद अब्सलान के तौर पर की गई है। प्राधिकारियों ने इस मामले में कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, लेकिन उनकी पहचान उजागर नहीं की गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के पड़ोस में स्थित इस क्षेत्र में बलूच आतंकवादियों और ईरानी सेना के बीच झड़पें होती रहती हैं। सुरक्षाबलों की प्रांत में मादक पदार्थ के तस्करों से भी झड़पें होती हैं। यह प्रांत अफगान में अफीम और हेरोइन की तस्करी का प्रमुख जरिया है।

वाशिंगटन में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच विदेश विभाग में एक बैठक में भाग लेते यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस श्यामल और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन।

आर्थिक संकट का मुकाबला करने के लिए श्रीलंका को विश्व बैंक से मिलेगी मदद

कोलंबो श्रीलंका को अगले चार महीनों में दवा और दूसरी जरूरी वस्तुओं की खरीद के लिए विश्व बैंक से 30 करोड़ डॉलर से 60 करोड़ डॉलर तक मदद मिलेगी। भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका के वित्त मंत्री अली साबरी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। साबरी इस समय अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ राहत पैकेज पर बातचीत करने के लिए वाशिंगटन में हैं। उन्होंने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि आईएमएफ के साथ बातचीत में कुछ समय लग सकता है, और इस बीच विश्व बैंक मदद देने को तैयार हो गया है। साबरी ने कहा कि पड़ोसी भारत भी ईंधन खरीदने के लिए 50 करोड़ डॉलर देने पर सहमत हो गया है, और नई दिल्ली से अतिरिक्त एक अरब डॉलर की सहायता हासिल करने पर बातचीत चल रही है। भारत ने श्रीलंका को पहले ही एक अरब डॉलर की ऋण सहायता दी है।

सीतारमण की खरी-खरी, अमेरिका को अपने दोस्त को कमजोर नहीं करना चाहिए

वाशिंगटन (एजेंसी)

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूक्रेन पर हमले के कारण रूस पर लगी पाबंदियों के बावजूद उससे संबंध बनाए रखने की भारत की नीति को स्पष्ट कर कहा कि यह पड़ोस की सुरक्षा चुनौतियों पर आधारित है, और अमेरिका को यह समझना चाहिये कि अगर उस मित्र चाहिए तब वह कमजोर मित्र नहीं हो सकता है और न ही मित्र को कमजोर करना चाहिए। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्होंने विश्व बैंक समूह की स्प्रिंग मीटिंग्स के लिये अमेरिका की अपनी वर्तमान यात्रा के दौरान की गई बातचीत से यह बात समझी है।

भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू द्वारा आयोजित रात्रिभोज में उन्होंने कई अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात की,इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और अन्य अधिकारी भी शामिल थे। सीतारमण ने कहा, भारत निश्चित रूप से एक मित्र बनना चाहता है, लेकिन अगर अमेरिका भी एक मित्र चाहता है, तब वह कमजोर मित्र नहीं हो सकता है और मित्र को कमजोर किया भी नहीं जाना चाहिए। वित्तमंत्री ने कहा, इसलिए

हम निर्णय ले रहे हैं। हम सोच समझकर अपना रूख स्पष्ट कर रहे हैं,क्योंकि हमें भौगोलिक स्थिति की वास्तविकताओं को देखते हुए यानी जहां हम हैं, वहां मजबूत होने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि चीन के साथ उत्तरी सीमा पर तनाव है, जो कोरोना के बावजूद जारी है, पाकिस्तान के साथ लगातार तनावपूर्ण स्थिति है। अफगानिस्तान में आतंकवादी रोधी कार्रवाईयों के लिये भेजे जाने वाले सैन्य उपकरण पड़ोसी देश के रास्ते भारत भेज दिए जाते हैं। सीतारमण ने कहा, आपका पड़ोस वह है, जो आपके आसपास मौजूद है। आप जब रिश्तों के बारे में बात कर रहे हों तो आपको इसे ध्यान में रखना होगा। अमेरिका भारत पर लगातार यह दबाव बना रहा है कि वह रूस के हमले के खिलाफ अधिक सख्त रुख अपनाए और उसके साथ अपने व्यापारिक संबंधों, विशेष रूप से ऊर्जा आयात को रोके या कम करे। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के वरिष्ठ अधिकारी ने तो भारत को 'परिणाम' भुगतने तक की धमकी दे दी।

भारत ने न तब रूस के हमले की प्रत्यक्ष निंदा की है और न ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उसके खिलाफ लाए गए प्रस्तावों के पक्ष में वोट दिया है। हर बार भारत ने रूस के मामले पर खुद को वोटिंग से दूर रखा है। भारत ने बातचीत के जरिये समस्या का हल निकालने का आह्वान किया है। इसके अलावा भारत ने यूक्रेन को मानवीय सहायता भेजी है। भारत ने हालांकि बूचा में हुए नरसंहार की निंदा की है और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस द्वारा इसकी स्वतंत्र जांच कराने के आह्वान का समर्थन किया है। परिणाम भुगतने की धमकी देने के बावजूद अमेरिका का जो बाइडेन प्रशासन रूस को लेकर भारत की स्थिति को समझने की बात करता रहता है।

रूस ने वार्ता रुकने के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया

मॉस्को (एजेंसी)

रूस के एक शीर्ष राजनयिक ने कहा है कि यूक्रेन में युद्ध की समाप्ति के लिए होने वाली वार्ता 'थम' गयी है, क्योंकि मॉस्को को उसके सबसे नवीनतम प्रस्तावों पर कीव की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, 'अभी ये (बातचीत) थमी हुई है, क्योंकि हमने पांच दिन पहले यूक्रेन के वार्ताकारों के समक्ष अन्य प्रस्ताव भेजा है, जिस पर अभी तक कोई जवाब नहीं आया है।' लावरोव ने आरोप भी लगाया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और उनके सलाहकारों के हालिया बयान से प्रतीत होता है कि 'उन्हें बातचीत की जरूरत नहीं है। उन्हें अपनी किस्मत के भरोसे रहना है।' इस बीच, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सहयोगी एवं प्रमुख वार्ताकार व्लादिमीर मेदिंस्की ने इस रिपोर्ट की पुष्टि की है कि उन्होंने यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख के साथ लंबी बातचीत की है। हालांकि, उन्होंने कोई ब्योरा नहीं दिया है कि वार्ता के दौरान क्या बातचीत हुई और क्या इस क्षेत्र में कोई प्रगति हुई है।

मॉस्को : राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि रूस ने यूक्रेन के बंदरगाह शहर मारियुपोल के इस्पात संयंत्र की सुरक्षा में जुटे यूक्रेन के जवानों को आत्मसमर्पण करने और जिन्दा रहने की गारंटी प्राप्त करने का विकल्प दिया है। क्रेमलिन से दी गयी जानकारी के अनुसार, पुतिन ने यह टिप्पणी अपने और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के बीच हुई बातचीत के दौरान की है।

कश्मीर में मानवाधिकार के हालात पर अमेरिकी सांसद ने चिंता जताई

वाशिंगटन (एजेंसी)

एक प्रमुख अमेरिकी सांसद ने कश्मीर में मानवाधिकार के हालात को लेकर चिंता जताई है। सांसद एंडी लेविन ने कहा कि अमेरिकी सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिये कि वह भारत जैसे लोकतंत्र से बेहतर होने की उम्मीद करता है।

विदेश मामलों की समिति और एशिया-प्रशांत एवं अप्रसार मामले की उपसमिति की सदस्य एंडी लेविन ने यह बयान वर्चुअल सम्मेलन में दिया, जिसे भारतीय अमेरिकी मुस्लिम परिषद और 16 अन्य समूहों ने बुधवार को आयोजित किया था। डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद ने भारत में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर अमेरिका को स्पष्ट रुख अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका को इस बात का ख्याल रखना चाहिये कि कश्मीर में क्या होता है, हम भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों से बेहतर की उम्मीद करते हैं। भारत ने देश में नागरिक स्वतंत्रता के हनन संबंधी आरोपों को लेकर विदेशी सरकारों, सांसदों और मानवाधिकार समूहों द्वारा की जा रही आलोचना को बार-बार खारिज किया है।

सरकार ने जोर देकर कहा है कि भारत में सभी के अधिकारों की रक्षा के लिए अच्छी तरह से स्थापित लोकतांत्रिक प्रथाएं और मजबूत संस्थान हैं। भारत सरकार ने इस बात पर जोर दिया है कि भारतीय संविधान मानव अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कानूनों के तहत पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करता है। भारतीय संसद ने पांच अगस्त, 2019 को राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित करते हुए जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति को रद्द कर दिया था।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव 26 अप्रैल को करेंगे मॉस्को का दौरा, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होगी मुलाकात

मॉस्को। (एजेंसी)

यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को दो महीने से ज्यादा समय हो चुका है और रूसी सैनिक लगातार अपनी सैन्य कार्रवाई को तेज कर रहे हैं। इसके अलावा सैन्य कार्रवाई के चलते रूस को अमेरिका समेत कई देशों के प्रतिबंधों का सामना भी करना पड़ रहा है। इसी बीच खबर है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की बैठक होने वाली है। यह बैठक अगले सप्ताह होगी। जिसमें यूक्रेन संकट पर विस्तृत वार्ता होने की संभावना है।

26 अप्रैल को करेंगे मॉस्को का दौरा

यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को लेकर पूरी दुनिया की आलोचना झेल रहे रूस के लिए यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है। आपको बता दें कि यूक्रेन पर रूस की सैन्य कार्रवाई के दो महीने बीत जाने के बाद संयुक्त राष्ट्र के महासचिव 26 अप्रैल को मॉस्को का दौरा करने वाले हैं। इस दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और एंटोनियो गुटेरेस की मुलाकात होगी।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने ट्वीट कर बताया कि अगले सप्ताह मैं रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन में राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात करूंगा। हमें लोगों की जान बचाने, मानवीय संकट को खत्म करने और यूक्रेन में शांति कायम करने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है।

रूस के बाद होगी कीव यात्रा

आपको बता दें कि रूस की यात्रा के बाद एंटोनियो गुटेरेस यूक्रेन जाएंगे और दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध को तत्काल प्रभाव से समाप्त कराने का प्रयास करेंगे। एंटोनियो गुटेरेस 28 अप्रैल को कीव जाएंगे। जहां पर विदेश मंत्री दमित्रो कुलेबा के साथ बैठक के बाद राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे।

रूस ने सीरिया व लीबिया के 100,000 से अधिक भाड़े के सैनिकों को यूक्रेन से युद्ध में उतारा

-रूस ने स्वीकार किया युद्धपोत मोस्कवा में आग लगने के बाद एक सैनिक मारा गया, जबकि 27 लापता

कीव (एजेंसी)

रूस और यूक्रेन के बीच युद्धग्रस्त देश के औद्योगिक गढ़ पर नियंत्रण को लेकर संघर्ष शुरू हो सकता है क्योंकि यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि रूस ने अपनी सैन्य इकाइयों को मारियुपोल बंदरगाह से पूर्वी यूक्रेन भेजना शुरू कर दिया है। इस बीच, रूस ने शुक्रवार को बताया कि युद्धपोत मोस्कवा में आग लगने के बाद एक सैनिक की मौत हो गई और 27 अन्य लापता हो गए। यह पोत एक सप्ताह पहले यूक्रेन के मिसाइल हमले के बाद डूब गया था। रूसी सेना ने पहले बताया था कि उसमें सवार सभी लोगों को बचा लिया गया है। साथ ही शुक्रवार को उपग्रह से ली गई तस्वीरों में मारियुपोल के पास स्थित एक शहर में एक दूसरा संभावित सामूहिक कब्रिस्तान दिखा जहां यूक्रेनियों को एक इस्पात संयंत्र में छुपाया गया है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने युद्धपोत पर हमले को स्वीकार नहीं किया। उसका कहना है कि गोला बारूद के विस्फोट के बाद उसमें आग लग गई। उसने हालांकि यह नहीं बताया कि यह यह कैसे हुआ। निर्देशित मिसाइल क्रूजर का नुकसान मास्को के लिए एक अपमानजनक झटका था। यह पोत रूस के काला सागर बेड़े का मुख्य पोत था। मारियुपोल कई सप्ताह की बमबारी के बाद काफी हद तक मलबे में तब्दील हो गया है। रूसी सरकारी टीवी ने मॉस्को समर्थक डोनेट्स्क अलगाववादियों का झंडा दिखाया, जो शहर के सबसे ऊंचे बिंदु यानी टीवी टॉवर पर लगा है। इसने शहर के अजोवस्टल स्टील प्लांट की मुख्य इमारत को आग की लपटों में घिरा भी दिखाया।

यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव ओलेक्सी डैनिलोव ने कहा कि क्रेमलिन ने यूक्रेन में लड़ाई में सीरिया और लीबिया से 100,000 से अधिक सैनिकों और भाड़े के सैनिकों को उतारा है और देश में हर दिन अधिक सेना तैनात कर रहा है। उन्होंने कहा हमारे समक्ष मुश्किल स्थिति है, लेकिन हमारी सेना देश की रक्षा कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि डोनबास के कई शहर और गांव और साथ ही खारकीव क्षेत्र बमबारी की चपेट में आए। यह यूक्रेन के पूर्वी इलाके में एक औद्योगिक क्षेत्र है जिसे क्रेमलिन ने युद्ध का नया केंद्र घोषित किया है। महापौर कार्यालय ने बताया कि रूसी सेना ने यूक्रेन के उन 2,000 लड़ाकों को निशाना बनाया है जो अभी भी विशाल अजोवस्टल संयंत्र के अंदर छुपे हुए हैं। मारियुपोल के मेयर के सलाहकार पेट्रो एंड्रीशचेंको ने कहा हर दिन वे अजोवस्टल पर कई बम गिराते हैं। गोलाबारी, बमबारी बंद नहीं हो रही। अन्य घटनाक्रमों में, एक वरिष्ठ रूसी सैन्य अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से रूसी युद्ध के उद्देश्य को रेखांकित किया जो क्रेमलिन ने हाल के हफ्तों में जो कहा है, उससे कहीं अधिक व्यापक प्रतीत होता है। रुस्तम मिनेकेयेव ने कहा कि रूस की सेना का लक्ष्य पूर्वी यूक्रेन के अलावा दक्षिणी यूक्रेन पर पूर्ण नियंत्रण कायम करना है और ऐसा करने से मोल्दोवा देश के लिए रास्ता खुल जाएगा, जहां रूस ट्रांसनिस्ट्रिया के क्षेत्र का समर्थन करता है। दक्षिणी यूक्रेन से मोल्दोवा के लिए मार्ग खोलने को लेकर रूसी सेना के बारे में मिनेकेयेव की घोषणा के जवाब में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने चेतावनी दी-यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को केवल शुरूआत माना गया था, इसके अलावा वे दूसरे देशों को हथियाना चाहते हैं। मोल्दोवा के अधिकारी यूक्रेन में पुतिन के कार्यों को सावधानी से देख रहे हैं

और जेलेंस्की के सलाहकार मायखाइलो पोडोलीक ने कहा रूस हमेशा हर किसी से झूठ बोल रहा था और वास्तव में, शुरू से ही, वह ट्रांसनिस्ट्रिया के लिए एक मार्ग सुरक्षित करने के लिए यूक्रेन के कुछ क्षेत्रों को हथियाना चाहता था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मुंबई पुलिस ने नवनीत राणा और उनके विधायक पति को किया गिरफ्तार, अमरावती सांसद ने भाजपा नेताओं से मांगी मदद

मुंबई। अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आपको बता दें कि नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा को खार पुलिस स्टेशन लाया गया है। इस दौरान नवनीत राणा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेंद्र फडणवीस और नारायण राणे से मदद की गुहार लगाई है। दरअसल, नवनीत राणा और रवि राणा ने मातोश्री के बाहर हुनमान चालीसा पढ़ने का ऐलान किया था। जिसको लेकर शिवसैनिक उनके घर के नीचे एकत्रित हो गए। नवनीत राणा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक वीडियो साझा किया। जिसमें उन्होंने कहा कि हमने अभी तक सहयोग किया है। उन्होंने हमें घर से निकलने के लिए मना किया तो हम नहीं निकले हैं। अब बिना वारंट के गिरफ्तार करने आए हैं तो हम नहीं जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि घर के बाहर खड़े शिवसैनिकों पर कार्रवाई नहीं हो रही है। हम लोगों पर कार्रवाई हो रही है, जिन्होंने सभी नियम माने हैं। अगर हमे गिरफ्तार किया गया तो हम जमानत भी नहीं लेंगे, लोगों को इनके अत्याचार को देखने देंगे।

महाराष्ट्र में हिन्दुत्व पर शिवसेना और राज ठाकरे हुए आमने-सामने

मुंबई। यूँ तो महाराष्ट्र में विधानसभा का चुनाव 2024 में होना है मगर सियासी दल उसकी तैयारी में अभी से जुट गए हैं. हिन्दुत्व के झंडे को थामकर राजनीति में आने वाली शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे अब खुद को हिन्दुत्व का ब्रांड एम्बेसडर बनाने की होड़ में आमने सामने आ गए हैं. मराठी मानुस वाला नारा फ्लाप होने के बाद राज ठाकरे भी अब श्री राम की शरण में जाते दिख रहे हैं. मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे शिवसेना पर हिन्दुत्व का एजेंडा छोड़ने का आरोप लगाकर खुद उसको लपक लेना चाहते हैं. उनका मानना है कि हिन्दुत्व के एजेंडे की बदौलत शिवसेना को आज ये मुकाम मिला है और वो सत्ता के लालच में इसे ही भूल रही है. पिछले कई दिनों से राज ठाकरे लगातार भाजपा और उसके हिन्दुत्व की तारीफ करते नजर आ रहे हैं और अब वो खुद भगवा थामकर इसके झंडाबरदार बनने की कोशिश कर रहे हैं. इसी कड़ी में पहले लाउडस्पीकर से अजान वाला मुद्दा उठाया और तीन मई तक महाराष्ट्र की अघाड़ी सरकार को अल्टीमेटम दिया और अब राज ठाकरे अयोध्या रामजन्मभूमि जा रहे हैं. राज ठाकरे 5 जून को अयोध्या जा रहे हैं जिसमें उनके साथ 10 हजार मनसे कार्यकर्ता भी महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों से अयोध्या पहुंचेगे. जिनके लिए विशेष ट्रेनों में बुकिंग की जा रही है. वहीं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने भी रामजन्म भूमि में दर्शन का कार्यक्रम बना लिया है और वो वहां जाकर पूजा अर्चना करेगें. राज ठाकरे के बयानों का जवाब देते हुए शिवसेना नेता और सांसद संजय राउत कहते हैं कि हिन्दुत्व किराए पर लिया या दिया नहीं जाता है. दिसबंर 1992 में विवादित ढांचा गिराते वक्त हमारे शिवसैनिकों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे. बाबा साहब की ख्वाहिश थी कि भव्य मंदिर बने, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जी भी 2020 में राम जन्मभूमि पर गए थे पूजा की थी. भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद भी मंदिर के प्रति शिवसेना की प्रतिबद्धता पहले जैसी है. दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश की योगी सरकार राज ठाकरे को अयोध्या यात्रा पर विशेष सुरक्षा देगी. राज ठाकरे अयोध्या में जनसभा को भी सम्बोधित करेंगे. गौरतलब है कि इससे पहले उद्धव ठाकरे तीन बार राम जन्मभूमि का दौरा कर चुके हैं. 2020 में कोविड प्रोटोकाल के चलते योगी सरकार ने उन्हें जनसभा की इजाजत नहीं दी थी.

जहांगीरपुरी हिंसा के मुख्य आरोपी के खिलाफ ईडी ने शुरू की मनी लांड्रिंग की जांच

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को जहांगीरपुरी हिंसा के मुख्य आरोपी मोहम्मद अंसार शेख के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने शुक्रवार को ईडी निदेशक को पत्र लिखकर अंसार की धन शोधन रोकथाम कानून के तहत जांच करने को कहा था। दिल्ली पुलिस ने दावा किया कि अंसार ने गलत तरीके से बड़ी संपत्ति अर्जित की है और उसके पास जो भी अचल संपत्ति है वह अपराध की आय के अलावा और कुछ नहीं है। जांच एजेंसी ने प्रवर्तन मामले की सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है, जो अंसार के खिलाफ प्राथमिकी की तरह है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर मामला दर्ज किया गया है। ईडी के कुलीन अधिकारियों की एक टीम रोहिणी अदालत से उनकी कस्टडी रिमांड की मांग कर सकती है। दिल्ली पुलिस अंसार और अन्य के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पहले ही ईडी को कई अन्य आपत्तिजनक दस्तावेजों के साथ दे चुकी है।ईडी इस मामले पर एक रिपोर्ट भी तैयार करेगा और इसे गृह मंत्रालय को सौंपेगा। अंसार फिलहाल पुलिस रिमांड में है।

मृत्युदंड केसों में सफल जिरह करने वाले वकीलों को पुरस्कृत करने की नीति पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल

नई दिल्ली । निचली अदालतों में मृत्युदंड के मामलों में सफलतापूर्वक जिरह करने के लिए सरकारी अभियोजकों को पुरस्कृत करने या प्रोत्साहन देने की मध्य प्रदेश सरकार की नीति सुप्रीम कोर्ट की पड़ताल के घेरे में आ गई है। न्यायमूर्ति यू यू ललित, न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ ने अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल की इस दलील पर गौर किया कि अभियोजकों को पुरस्कृत करने की इस तरह की प्रथा को शुरू में ही खत्म कर दिया जाना चाहिए। अटॉर्नी जनरल मौत की सजा का फैसला करने के लिए डेटा और जानकारी संग्रह में शामिल प्रक्रिया की जांच पड़ताल करने तथा इसे संस्थागत बनाने के लिए स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज एक मामले में शीर्ष अदालत की सहायता कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में नीति या ऐसी व्यवस्था के बारे में बताए जाने पर, जिसके तहत लोक अभियोजकों को मृत्युदंड के मामलों में सफलतापूर्वक जिरह करने के लिए पुरस्कृत किया जा रहा है और प्रोत्साहन दिया जा रहा है, पीठ ने राज्य की वकील को सुनवाई की अगली तिथि 10 मई को संबंधित दस्तावेजों को रिकॉर्ड में रखने और इसका बचाव करने के लिए तैयार रहने को कहा। पीठ ने कहा मध्य प्रदेश में ऐसी नीति है, जिसमें सरकारी वकीलों को उनके द्वारा जिरह किए जाने संबंधी मामलों में किसी को सुनाई गई मौत की सजा के आधार पर प्रोत्साहन या वेतन वृद्धि दी जाती है। पीठ ने राज्य की ओर से पेश वकील रुक्मिणी बोबडे से नीति को रिकॉर्ड में रखने और उसका बचाव करने के लिए कहा। अदालत ने यह भी कहा कि वह उन मामलों के लिए दिशानिर्देश जारी करने पर विचार कर रही है जिसमें अपराध के लिए अधिकतम सजा मृत्युदंड है। इसने कहा कि आपराधिक मुकदमे का सामना कर रहे आरोपियों को उचित कानूनी सहायता सुनिश्चित करने के लिए राज्य की ओर से मामलों पर जिरह करने वाले सरकारी अभियोजकों की तरह, राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) देश के हर जिले में बचाव पक्ष के वकील या 'पब्लिक डिफेंडर्स' का कार्यालय स्थापित कर सकता है।

1971 के युद्ध के दिग्गजों के सम्मान समारोह में बोले राजनाथ,

दुनिया की कितनी बड़ी ताकत हो वो भारत माता की शीश को नहीं झुका सकती

नई दिल्ली (एजेंसी)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के वीरों के सम्मान में आयोजित समारोह में हिस्सा लेने के लिए असम पहुंचे। इस दौरान रक्षा मंत्री ने 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में जान गंवाने वाले जाबांजों को याद करते हुए उनके शौर्य को सराहा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में विरोधी दल भी होते हैं। मैं विरोधी दलों पर आरोप लगाना नहीं चाहता लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं, जो कभी कुछ ऐसी बात बोल देते हैं जिससे लगता है कि हमारे सेना के शौर्य और पराक्रम को छोटा करके देखा जा रहा है तब मुझे ठेस पहुंचती है।

1971 के युद्ध के दिग्गजों के सम्मान समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस बार इंडो-चाइना के टकराव के समय मैंने अपने सेना के शौर्य और पराक्रम को देखा और मेरा भरोसा पक्का हो गया कि दुनिया की कितनी बड़ी ताकत हो वो भारत माता की शीश को नहीं झुका सकती है। असम के राज्यपाल जगदीश मुखी और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने कहा कि आप सब जानते ही है कि पिछले साल ही हमने 1971 के युद्ध का ह्यस्वर्णिम विजय वर्षह्व मनाया। पूरे देश में 1971 की लड़ाई का क्या महत्व है वह मैं आज यहां दोहराना नहीं चाहता क्योंकि उससे आप सब अच्छी तरह परिचित है। मगर 1971 की लड़ाई ने भारत को एक स्ट्रैटजिक एडवांटेज दी। पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश के बनने से सबसे अधिक लाभ नार्थ ईस्ट के राज्यों को हुआ है क्योंकि सीमा पर जिस तरह का तनाव वेस्टर्न फ्रंट पर देखने को मिलता है, वह कभी भी भारत-बांग्लादेश सीमा पर नही रहा है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर शांति और स्थिरता के कारण और केन्द्र और राज्य सरकारों में आए बेहतर तालमेल का ही परिणाम रहा है कि आज पूर्वोत्तर भारत में शांति और विकास का एक नया दौर प्रारंभ हो चुका है।

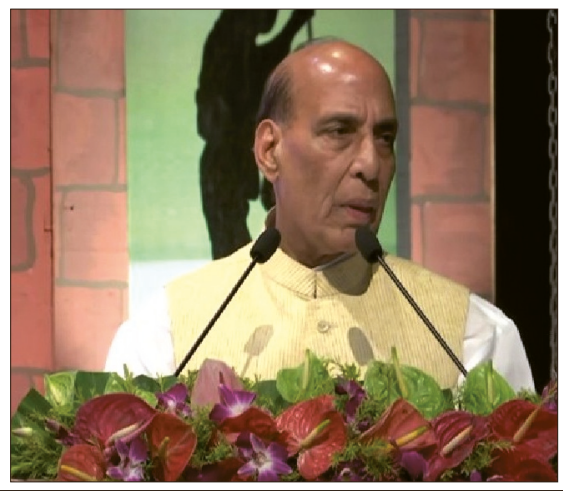

पीएम मोदी से मिले सीएम चौहान, मप्र सरकार की विकास पहलों पर की विस्तार से चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें अपनी सरकार की विभिन्न पहलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही, दोनों नेताओं ने कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की।

मोदी ने एक ट्वीट में कहा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की, जिन्होंने मध्य प्रदेश सरकार की सुशासन पहल और मप्र सरकार की परिवर्तनकारी योजनाओं से लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों पर चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच चर्चा में कानून व्यवस्था के अलावा नक्सलवाद, केन-बेतवा नदी को जोड़ने की परियोजना और कई अन्य विषय भी शामिल रहे। सीएम चौहान ने पीएम मोदी को अपनी सरकार द्वारा अब तक उठाए गए कदमों की विस्तार से जानकारी दी।

बुलडोजर से लड़ेगा ट्रैक्टर! राकेश टिकैत बोले- संविधान अलमारी में बंद, एक विशेष धर्म के लोगों पर हो रही कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)

वर्तमान में देखें तो उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ लगातार बुलडोजर चल रहा है। हालांकि, खरगोन और जहांगीरपुरी में रामनवमी और हनुमान जयंती के दिन हुई हिंसा के बाद अवैध अतिक्रमण और तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ बुलडोजर चला है। बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर विपक्ष लगातार सरकार के खिलाफ हो-हल्ला कर रहा है। विपक्ष इसे संविधान के खिलाफ बता रहा है। इन सबके बीच किसान नेता राकेश टिकैत ने भी बड़ा बयान दिया है। राकेश टिकैत ने साफ तौर पर कहा है कि जिस तरीके से सिर्फ एक धर्म विशेष के लोगों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई की जा रही है, वह हिंदुस्तान के भविष्य के लिए बेहद ही खराब है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं से भारत की बदनामी दुनिया भर में हो रही है। राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार सांप्रदायिक तनाव को भड़काने और विशेष रूप से राजनीतिक कारणों से एक विशेष स्थान को निशाना बनाने के लिए बुलडोजर का उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि संविधान फिलहाल अलमारी में बंद कर दिया गया है। टिकैत ने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई और विकास जैसे मुद्दों पर सरकार को काम करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बुलडोजर तो एक ही चल रहा है लेकिन ट्रैक्टर चार लाख चले थे। टिकैत ने कहा कि दिल्ली में कभी न कभी बुलडोजर और ट्रैक्टर का मुकाबला होगा। सरकार 10 साल पुराने ट्रैक्टरों को बंद करने के बात कर रही है। अगर ऐसा होता है तो बहुत जल्द ट्रैक्टर और बुलडोजर आमने-सामने होंगे।

केजरीवाल बोले- भाजपा और कांग्रेस ने हिमाचल को लूटा, आज दोनों मिलकर मुझे गालियां दे रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)

हिमाचल प्रदेश में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। आम आदमी पार्टी हिमाचल प्रदेश में पूरी ताकत झोंक रही है। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज हिमाचल प्रदेश पहुंचे थे जहां उन्होंने एक सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में अरविंद केजरीवाल ने भाजपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस ने लूटने की कोई कसर नहीं छोड़ी, आज हिमाचल प्रदेश की जो हालत है वो भाजपा और कांग्रेस की वजह से है। अभी दोनों पार्टियां मिलकर मुझे गालियां दे रही है। मैंने हिमाचल प्रदेश को नहीं लूटा है आप लोगों (भाजपा-कांग्रेस) ने लूटा है।

केजरीवाल ने आगे कहा कि कल जयराम ठाकुर जी ने ट्वीट कर कहा हिमाचल में दिल्ली मॉडल नहीं चलेगा। दिल्ली मॉडल का मतलब ईमानदार सरकार है, मैं आपसे पूछता हूं कि हिमाचल में आपको ईमानदार सरकार चाहिए या नहीं चाहिए? उन्होंने

कहा कि मैं हिमाचल प्रदेश के लोगों और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को दिल्ली के सरकारी स्कूलों को देखने के लिए दिल्ली आने का निमंत्रण देता हूं। केजरीवाल ने कहा कि 'नया हिमाचल प्रदेश' बनाने का समय आ गया है। मैं भाजपा और कांग्रेस के सभी अच्छे लोगों से अपनी पार्टियों को छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल होने का आग्रह करता हूं। मैं इस राज्य के लोगों से आप को एक मौका देने का अनुरोध करता हूं।

77900 तिरंगे लहराकर तोड़ा पाक का रिकॉर्ड, अमित शाह बोले- इतिहास ने बाबू कुंवर सिंह के साथ अन्याय किया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जगदीशपुर में 'बाबू वीर कुंवर सिंह विजय उत्सव' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर अमित शाह की मौजूदगी में 77 हजार 700 तिरंगे फहराकर भारत ने पाकिस्तान का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। बाबू कुंवर सिंह जी को श्रद्धांजलि देते हुए अमित शाह ने कहा कि आज हम सब बाबू कुंवर सिंह जी को श्रद्धांजलि देने आए हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के 75वें साल में आजादी का अमृत महोत्सव मनाने का निर्णय लिया। जिसमें 3 पहलू थे। एक तो आजादी के दिवाने जिन्होंने देश के लिए जीवन बलिदान कर दिया, आज की युवा पीढ़ी जाने। उन्होंने कहा कि मैं अनेकों कार्यक्रम और रैलियों में गया हूँ, लेकिन आज राष्ट्रभक्ति का भान आज जो यहां दिख रहा है। मैं आज देखकर सच्च में निशब्द हूँ। ऐसा कार्यक्रम अपने जीवन में कभी नहीं देखा है।

शाह ने आगे कहा कि इतिहास में बाबू कुंवर सिंह के साथ अन्याय किया और उनकी वीरता और योग्यता के अनुरूप में इतिहासकारों ने इतिहास में उनको स्थान नहीं दिया। लेकिन आज बिहार की जनता ने बाबू जी को श्रद्धांजलि देकर वीर कुंवर सिंह का नाम इतिहास में फिर से अमर करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि लाखों-लाख लोग आज बिना कारण के इस चिलचिलाती धूप में तिरंगा लेकर बाबू वीर कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। 163 वर्ष पूर्व 80 साल की उम्र के कुंवर सिंह जी ने इस क्षेत्र को अंग्रेज से मुक्ति दिलाई। आज लाखों-लाख लोग उनके लिए आएं हैं। मैं सबको नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि आजादी के पहले संग्राम को इतिहासकारों ने विफल विद्रोह कहकर बदनाम करने का काम किया। वीर सावरकर जी ने स्वतंत्रता संग्राम कहकर सम्मानित करने का काम किया।

शाह ने कहा कि वीर कुँवर सिंह जी ऐसे अकेले थें, जिन्होंने 80 साल के होने के बावजूद आरा-सासाराम से लेकर अयोध्या से बलिया होते हुए विजय का झंडा फहराने वाले व्यक्ति थें। उनके हाथ में गोली लग गई। उन्होंने अपने ही हाथ अपनी दूसरी हाथ काट ली। ऐसे साहस कुँवर सिंह के अलावा किसी में नहीं हो सकता। चार दिन तक खून बहने के बावजूद भी वो वीर व्यक्ति का प्राण नहीं गया। जगदीशपुर में आजादी का झंडा फहराने के बाद वो शहीद हुए। इसके साथ ही उन्होंने कुंवर सिंह की स्मृति में जगदीशपुर में उनकी भव्य स्मारक बनाने का ऐलान किया।

पीएम मोदी के जम्मू-कश्मीर दौरे से पहले सुरक्षा के कड़े इंतेजाम, अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां

नई दिल्ली (एजेंसी)

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सांबा में पल्ली पंचायत का रविवार को दौरा करने से एक दिन पहले शनिवार को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। उल्लेखनीय है कि जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो आत्मघाती हमलावरों और सुरक्षा बलों के बीच शुक्रवार को यहां भीषण मुठभेड़ हुई थी। जम्मू के बाहरी इलाके में सुंजवां सैन्य शिविर के पास मुठभेड़ के बाद केंद्र शासित प्रदेश में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। मुठभेड़ के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद से लैस दोनों आतंकवादियों को मार गिराया गया था। इससे एक बड़ा हमला टल गया। मुठभेड़ में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक अधिकारी भी शहीद हो गया और दो पुलिसकर्मियों सहित नौ अन्य घायल हो गए।

सुरक्षा बलों ने शुक्रवार तड़के अर्धसैनिक बलों के जवानों को ले जा रही एक बस पर हमले के बाद आतंकवादियों को घेर लिया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने मुठभेड़ स्थल का दौरा करने के बाद कहा था कि दोनों आतंकवादी पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के आत्मघाती दस्ते का हिस्सा थे और उनकी घुसपैठ प्रधानमंत्री मोदी की रविवार को पंचायती राज दिवस पर जम्मू-कश्मीर के दौरे को बाधित करने की एक 'बड़ी साजिश'' हो सकती है।

अधिकारियों ने कहा कि जम्मू शहर से 17 किलोमीटर दूर स्थित पल्ली पंचायत को एक तरह से सील कर दिया गया है और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) सहित स्थानीय पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों को कड़ी निगरानी के लिए तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-पठानकोट राजमार्ग से सिर्फ तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस स्थल को प्रधानमंत्री की रैली के लिए सुरक्षा व्यवस्था के तहत आम लोगों के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है।

मोदी का जम्मू-कश्मीर का यह दौरा, अगस्त 2019 में जम्मू कश्मीर को अनुच्छेद 370 के तहत मिले विशेष दर्जे को समाप्त करने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने के केंद्र सरकार के कदम के बाद केंद्र शासित प्रदेश का पहला दौरा है। अधिकारियों ने कहा कि जनसभा स्थल पर 30,000 से अधिक पंचायत सदस्यों सहित एक लाख से अधिक लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। डीजीपी ने मुठभेड़ के बाद कहा था, 'यह मुठभेड़ प्रधानमंत्री के दौरे से दो दिन पहले हुई। यह जम्मू के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है और यह दौरे को बाधित करने की एक बड़ी साजिश हो सकती है।' उन्होंने कहा था, 'यह अच्छा है कि हमें समय पर गुप्त जानकारी मिली और अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।'

शनिवार को, संयुक्त सुरक्षा दलों को राजमार्ग के किनारे बारी ब्राह्मण से लेकर पल्ली चौक तक पूरे हिस्से में गश्त करते देखा गया, जिसे प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए बड़े होर्डिंग से सजाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम स्थल की ओर जाने वाले विभिन्न स्थानों, जिला मुख्यालयों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों सहित अन्य स्थानों पर अतिरिक्त संयुक्त सुरक्षा जांच चौकियां बनाई गई हैं ताकि आतंकवादियों द्वारा हमले को अंजाम देने के

किसी भी प्रयास को विफल किया जा सके। अधिकारियों ने कहा कि राजमार्गों और परिधीय सड़कों पर यात्रियों की भी पूरी तरह से जांच की जा रही है और उनकी तलाशी ली जा रही है। जम्मू शहर में शुक्रवार की मुठभेड़ के मद्देनजर सीमा सुरक्षा ग्रिड और राजमार्ग ग्रिड को भी मजबूत किया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रैफिक ब्रिगेड के जवान शराब की हेराफेरी के आरोप में गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट, शहर की यूनिवर्सिटी पुलिस ने बाइक सवार दो शख्सों को शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि गिरफ्तार दोनों शख्स राजकोट शहर ट्रैफिक ब्रिगेड के जवान हैं। पुलिस ने शराब और मोटर साइकिल समेत रु 22100 का मालसामान जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट में रैयाधार मफतिया परा क्षेत्र में पुलिस ने मोटर साइकिल पर सवार दो संदिग्धों को दोनों से पूछताछ की। दोनों की तलाशी लेने पर एक शख्स के पास से शराब की एक बोतल बरामद हुई। पूछताछ में पता चला कि दोनों शख्स राजकोट शहर ट्रैफिक ब्रिगेड में नौकरी करते हैं। अपने घर से शराब की बोतल लेकर दोनों किसी को पहुंचाने जा रहे थे। ट्रैफिक ब्रिगेड के घर की तलाशी में पुलिस को देशी बनावट की शराब की बोतलें बरामद हुईं। यूनिवर्सिटी पुलिस ने अलग अलग ब्रांड की 750 एमएल की 6 बोतलें, 300 एमएल की 1 बोतल,1 मोटर साइकिल समेत रु 22100 का माल सामान जब्त कर कानूनी कार्यवाही शुरूकी है।

संगठन की रचना को लेकर हुआ चर्चा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

संगठन की रचना के उद्देश्य के साथ आम जनता के परेशानीयों में शासन-प्रशासन तक आम जनता के प्रश्नोत्तरी के लिए दर हेरान-परेशान न होना पड़े, हर एक सार्वजनिक जगह पर एक शिकायत(सुचना)पत्र रखा जायेगा. जिससे लोगों की समास्याएं दूर किया जायेगा, शिकायत पत्र निम्न जगहों पर उपलब्ध किया जायेगा (सिर्फ

कार्य कर रहे समाजसेवी पत्रकार,पत्रकारिता से जुड़े मीडिया संचालकों की एक चर्चा के अनुसार जल्द ही एक संगठन के रूप में एक ही कार्यालय से संचालन होगा जिससे आम नागरिकों की समस्याएं का निवारण भी निस्वार्थ भाव से सेवा के रूप में दिया जायेगा जिसके अनुसार आम जनता को किसी समस्याएं के लिए दर-ब-वोर्ड न.30में)1-पुलिस स्टेशन & पुलिस चोकी के पास 2-नगर निगम के सभी कार्यालय के पास 3-सचीन रेल्वे स्टेशन के पास इस तरह की चर्चाएँ संगठन की रचना के उद्देश्य के साथ किया गया. जिससे आने वाले कुछ ही दिनों में संगठन की पदाधिकारियों की नियुक्त किया जायेगा. जिससे आम नागरिक को इस संगठन का सेवा का अवसर मिलेगा.

सोने की तस्करी का मामला

2 आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लंबे हनुमान रोड पर ज्वैलर्स और महिधरपुरा में सर्राफा पर शुक्रवार को डीआरआई और सीआरवी ज्वैलर्स के साथी विपुल धीरूको गिरफ्तार कर लिया गया और डीआरआई अधिकारी उन्हें अदालत ले गए, जहां उन्हें आरोपी की रिमांड मांगे बिना न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया। डीआरआई की जांच में खुलासा हुआ कि सोना लाने वाला आरोपी विपुल हर सोने पर 20 से 30 फीसदी कमीशन लेता था।

आरोपी विपुल पहले कपड़ा कारोबार से जुड़ा था। बाद में कोरोना में धंधा चौपट हो गया, इसलिए उसने सोने की तस्करी

ने छापेमारी की। 10 करोड़ रुपये का सोना जब्त किया गया। तस्करी के मामले में दो आरोपी राम मगन सुहागिया का रख किया। सोना लाने वाले आरोपी विपुल को हर सोने पर 20 से 30 फीसदी कमीशन मिलता था।

गुजरात कांग्रेस के एक और नेता ने छोड़ा हाथ का साथ, आज आप जॉइन करेंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के एक के बाद एक झटके लगने का सिलसिला जारी है। हाल ही में सौराष्ट्र के दो दिग्गज नेता वशराम सागठिया और इंद्रनील राज्यगुरु कांग्रेस छोड़ आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हुए हैं। अब कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता कैलाश गढ़वी का भी पार्टी से मोहभंग हो गया है। कैलाश गढवी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की है और रविवार को वह आम आदमी पार्टी जॉइन करेंगे।

कैलाश गढवी ने अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की तस्वीर भी ट्वीटर पर साझा की है। हाल ही में कैलाश गढवी ने ट्वीट कर कहा था कि 'अब कांग्रेस में बहुत थकान लगती है। चलिए कुछ नया करते हैं। सत्ता पाने या सरकार बनाने के कट्टर संकल्प के अभाव में पिछले काफी समय से कांग्रेस का नेतृत्व गुजरात में सरकार बनाने में निष्फल रहा है। जिससे सबसे ज्यादा नुकसान जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं को होता है, जो दिन रात मेहनत करते हैं। अब बहुत थकान लगी है, चलिए कुछ नया करते हैं।' पेशे से चार्टर्ड एकाउन्टन्ट कैलाश गढ़वी के मुताबिक मुझे कांग्रेस ने नवसर्जन या नया संचार जैसा कुछ दिखाई नहीं देता, जिससे अब अपने 300 जितने समर्थकों के साथ आम आदमी पार्टी जॉइन करने जा रहा हूं।

कुछ समय पहले कैलाश गढवी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी और उसी वक्त आप जॉइन करने का फैसला कर लिया था।

अगले महीने कांग्रेस जॉइन करते हैं खोडलधाम के प्रमुख नरेश पटेल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पाटीदारों की आस्था के केन्द्र खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल अगले महीने कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। दिल्ली में कांग्रेस हाईकमांड से मुलाकात कर गुजरात लौटे नरेश पटेल 15 मई तक राजनीति में आने का ऐलान कर सकते हैं। जानकारी है कि सोनिया गांधी के साथ नरेश पटेल की मुलाकात सकारात्मक रही है और उनकी सभी शर्तें कांग्रेस हाईकमांड ने मान ली हैं। नरेश पटेल के कांग्रेस जॉइन करने का कार्यक्रम भव्यातिभव्य होगा और उसमें राहुल गांधी समेत कई दिग्गज नेताओं के शामिल होने की संभावना है। बताया जाता है कि नरेश पटेल को कांग्रेस प्रवेश के साथ ही हार्दिक पटेल को मनाने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। हार्दिक पटेल भाजपा या आम आदमी पार्टी में शामिल न हो और कांग्रेस में बने रहें यह प्रयास नरेश पटेल को करना होगा। इसके अलावा कमजोर हो चुके कांग्रेस संगठन को मजबूत करना भी नरेश पटेल की जिम्मेदारी होगी। गौरतलब है आम आदमी पार्टी गुजरात की राजनीति में बहुत ही कम समय में बतौर विपक्ष उभर कर सामने आई है। ऐसे में नरेश पटेल के लिए चुनौतियां कम नहीं होंगी। गुजरात कांग्रेस संगठन में व्याप्त असंतोष से निपटना और उसे मजबूत करना नरेश पटेल के लिए आसान नहीं होगा। नरेश पटेल को अगर कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जाती है तो स्वाभाविक है वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रहे दिग्गज नेता नाराज हो सकते हैं और ऐसे नेताओं की नाराजगी खत्म करना भी नरेश पटेल के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होगी।